



تاشقند
۱۹۷۰

ҒАФУР ҒУЛОМ НОМИДАГИ
БАДИЙ АДАБИЁТ НАШРИЁТИ
ТОШКЕНТ—1970

عمر بن الخطاب

عمر بن الخطاب

رُبَّاعِيَّات
Rubaiyat

رباعیات
ruboiyat
rubaiyat

مترجمان:

شاه اسلام شاه محمد
و

ولادیمیر دیرزایین

A. Sergey.

ШОИСЛОМ ШОМУҲАМЕДОВ

таржимаси

Русский перевод

ВЛАДИМИРА ДЕРЖАВИНА

آنها که بحکمت در معنی سفتند در ذات خداوند سخنها گفتند

سرشته اسرارند است کسی اول زنجی زدند و آخر خفتند

*

Кўплар донишманд деб билдилар ўзни,
Худонинг зотидан очдилар сўзни.
Ҳеч бири билолмай азал сирларни,
Алжираб-валжираб юмдилар кўзни.

*

Где теперь эти люди мудрейшие нашей земли?
Тайной нити в основе творенья они не нашли.
Как они суесловили много о сущности бога,
Весь свой век борадами трясли — и бесследно ушли.

آنها که خلاصه جهان ایشانند براوج فلک براق فکرت رانند
 در معرفت ذات تو مانند فلک سرشته و سرنگون و سرگردانند

*

Жаҳон хулосаси бўлган инсонлар
 Фалакнинг авжида от сурган онлар,
 Зотини билишда худди осмондек
 Эгилгану сарсон ҳам саргардонлар.

*

Тот избранный, кем путь познания начат,
 Кто в небе на Бураке мысли скачет,
 Главой поник, познавши суть свою,
 Как небо, — и в растерянности плачет.

آنانكه كهس نبوند و آنانكه نوند
هر يك پي يكد گريه كايك بشوند

وين ملك جهان بكس نماند جاويد
رفتند و رويم و باز آيند و روند

*

Кекса, ёш — ҳаётга ҳар кимки етар —
Ҳаммаси изма-из, бирма-бир ўтар.
Бу дунё ҳеч кимга қолмас абадий,
Кетдилар, кетамиз, келишар, кетар.

*

Всех, кто стар и кто молод, что ныне живут,
В темноту одного за другим уведут.
Жизнь дана не навек. Как до нас уходили,
Мы уйдем; и за нами — придут и уйдут.

گر گل نبود نصیب ما خار بس است و ز نور نگیرد ما نار بس است

گر خرقة و خاتقاء و شینی نبود ناقوس و کلیت و ز نار بس است

✱

Бизга гул тегмаса, тикан — хор ҳам бас,
Нур етмаса, олов — гулхан — нор ҳам бас.
Жанда тўн, ханоқоҳ ё шайх бўлмаса,
Қўнғироғу черков ва зуннор ҳам бас.

✱

Если розы не нам, — и шипов вместо дара довольно.
Если свет не для нас, — нам очажного жара довольно.
Если нет ни наставника, ни ханаки, ни хырки, —
С нас и церкви, и колокола, и зуннара довольно.

یارب تو گلم سرشته فی من چه کنم چشم و قصبم تو رشته فی من چه کنم

هر نیک و بدی که آید از من بوجود تو بر سر من نبشته فی من چه کنم

Ераб, лойимни-ку қорган ўзингсан,
Ўриш — арқоғимни ўрган ўзингсан.
Емонманми, яхши, мен қандоқ қилай?
Тақдир манглайини берган ўзингсан.

Ты сам ведь из глины меня изваял! — Что же делать мне?

[illegible]

Все зло и добро, что я в мире вершу, ты сам предрешил,
Удел мой ты сам мне на лбу начертал! — Что же делать
мне?

آنکس که بخوبان لب خندان دادست ، خون جگری بدر دمنده ان دادست
 گر قسمت مانند شادی غم نیست شادیم که غم هزار چندان دادست

*

Ул киму гўзалларга хандон лаб бермиш,
 Дард аҳлига жигар қонин зап бермиш.
 Қисматимиз шодлик бўлмаса не ғам,
 Шодмиз, чунки ғамни минг-минглаб бермиш.

*

Кто губам прекрасным улыбку беспечную дал,
 Кто в удел скорбящим печаль сердечную дал?
 Пусть он не дал нам счастья, — довольно с нас и покоя,
 Ибо многим он слезы и муку вечную дал.

افسوس که بیفایده فرسوده شدیم در طاس سپهر باژگون سوده شدیم
 در داو ندامتا که تا چشم زدیم نابوده بکام خویش نابوده شدیم

*

Афсуски, бекордан-бекор сўлдик биз,
 Фалакнинг дастидан кукун бўлдик биз.
 Кўз очиб юмгунча кўрган аламдан
 Тилакка етолмай, охир ўлдик биз.

*

Жаль, что впустую жизнь мы провели.
 Что в ступе суеты нас истолкли.
 О жизнь! Моргнуть мы не успели глазом —
 И, не достигнув ничего, — ушли!

هر چه كه روى و موى زيباست مرا چون لاله رخ و چوسرو بالاست مرا
 معلوم نشد كه اندر اين گلشن دهر نقاش ازل بهر چه آراست مرا

*

Хар қанча бўлса ҳам юзгинам гўзал,
 Қоматим сарв каби тикка, мукаммал,
 Тушина олмадим, нега бунчалик
 Оро берган экан наққоши азал.

*

И лица, и волосы ваши красивы,
 Вы, как кипарисы, стройны, горделивы,
 И все же никак не могу я понять,
 Зачем в цветнике у творца возросли вы?

کرجنس مرا خاصه بدانند ساقی صد فصل ز هر نوع برانند ساقی

چون و اما نام برسم خود باده و پدر و ز حد خودم در گذرانند ساقی

Жинсимдан бир хослик топса гар соқи,
Ҳар навдан юз фасл кашф этар соқи.
Май берсин, баридан кечайин майли,
Хаддимдан оширсин сарбасар соқи.

*

Коль в роде отличишь моем ты призрак родовой, саки,
То сто различий видовых возникнет пред тобой, саки,
Охотно отрекусь от них, а ты мне вдосталь дай вина,
И пусть я перестану быть тогда самим собой, саки!

ساقی دل من ز دست اگر خواهد رفت دریاست کجا ز خود بدر خواهد رفت

صوفی که چو ظرف تنگ پراز جلاست یک جرعه اگر خورد بسر خواهد رفت

*

Соқий, дилим тўлиб-тошмоқчи бўлса,
У — денгиз, тошмайди қанчалар тўлса.
Сўфий дили лим-лим жаҳлга тўла,
Бошга чиқар қултум май юта қолса.

*

Если сердце захочет свободы и сбросит аркан,
То куда же уйти ему, кравчий? Ведь мир — океан!
И суфий, как сосуд узкогорлый, неведенья полный,
Если выпьет хоть каплю, — ей богу, окажется пьян.

افسوس که نامه جوانی طی شد وان تازه بهار زندگانی دی شد
آن مرغ طرب که نام او بود شباب افسوس ندانم که کی آمد کی شد

*

Афсуски йигитлик мавсуми битди,
Кўклам ўтиб кетди, қиш келиб етди.
Ёшлик деб аталган у севинч қуши,
Билмадим, қачонлар келди-ю кетди.

*

Вся книга молодости прочтена,
Увяла жизни ранняя весна.
Где птица радости? Увы, не знаю,
Куда умчалась, где теперь она?

گردست به لوح قضا داشتی بریل و مراد خویش بنگاشتمی
 غمراز جهان یکسر برداشتی وز شادسره به چرخ افراشتی

*

Тақдир лавҳасида ҳукмим бўлғонда,
 Майлимча ёзардим уни шу онда.
 Қайғуни дунёдан йўқотиб буткул,
 Шодликдан бўларди бошим осмонда.

*

Когда б скрижаль судьбы мне вдруг подвластна стала,
 Я все бы стер с нее и все писал сначала.
 Из мира я печаль изгнал бы навсегда,
 Чтоб радость головой до неба доставала.

زین گنبد گردنده بد افغالی بین وز چمد دوستان جهان خالی بین

تا بتوانی تو یک نفس خود را باش فردا مطلب دی منکر حالی بین

*

Кўп ёмон фалакнинг феъл-афъоли, бил,
Дўстлардан жаҳонни бўшу холи бил.
Кўлингдан келганча ўзинг билан бўл,
Кечадан, тонгладан шу дам олий, бил.

*

Ты коварства бегущих небес опасайся.
Нет друзей у тебя, а с врагами не знайся.
Не надейся на завтра, сегодня живи.
Стать собою самим хоть на миг попытайся.

از آمدن بحار و از رفتن دی اوراق کتب مایه می گردد طی
می خور مخور اندوه که فرموده حکیم غمهای جهان چو زهر و تریاقش می

*

Қиш ўтиб, келади баҳор садоси,
Етар умр варағин ҳам интиҳоси.
Ғам ема, май ичгил, ҳақим дебдиким,
Жаҳон ғами заҳар, шароб давоси.

*

Месяц Дей уступает цветущей весне,
Книга жизни подходит к концу в тишине...
Пей вино, не горюй! Огорчения мира —
Яд смертельный, противоядье — в вине.

گر بخت ز زندگانی گذرد مگذار که جز شادمانی گذرد

ز نهار که سرمایۀ این ملک جهان عمر است و بد انسان گذرانی گذرد

*

Умрингдан нафас ҳам ўтса, эй инсон,
Қўлдан чиқармагил бўлмайин шодон.
Қандоқ ўтказурсан, шундоқ ўтар умр,
Хушёр бўл, аслида шундақа жаҳон.

*

За мгновеньем мгновенье — и жизнь промелькнет...
Пусть весельем мгновенье это блеснет!
Берегись, ибо жизнь — это сущность творенья.
Как ее проведешь, так она и пройдет.

این کوزه گران که دست بگل دارند گر عقل و خرد نیک برو بکارند
 هرگز نزنند مُشت و سیلی و لگد خاک پدران است نکومی دارند

*

Лойни муштлаб турган анови кулол —
 Қилсайди ақл ила чуқурроқ хаёл,
 Ҳеч қачон бунчалик тепкиламасди,
 Ота тупроғидан ясаркан сопол.

*

Глянь на месящих глину гончаров, —
 Ни капли смысла в головах глупцов.
 Как мнут и бьют они ногами глину...
 Опомнитесь! Ведь это прах отцов!

گویند که می بخور به شعبان نه رواست نه نیز رجب که آن می خورده است

شعبان و رجب به خدایند و رسول ماهی رمضان خوریم کان خاصه است

*

Дерларки, шаъбонда май ичиб бўлмас,
Ражаб худо ойи, ичма бир нафас.
Шаъбон, ражаб — худо, пайғамбар ойи,
Рамазон бизники, шунда ичсак бас.

*

«В Шабане месяце не троньте винных чаш!
Не пейте и в Раджаб!» — гласит нам веры страж,
Шабан, Раджаб — пора аллаха и пророка?
Что ж, пейте в Рамазан. Уж этот месяц наш!

ای چرخ چه شد خیس راجیز دهی گرمابه و آسیاب و دهلیز دهی
آزاده به نان شب کروگان بدهد باید که بر اینچنین فلک تیز دهی

*

Э чарх, нокасларни қилдинг фаровон —
Ҳаммому уй бердинг, ер, сув, тегирмон,
Тўғри киши гаров бир бурда нонга,
Жиртакка арзимас бундайин даврон.

*

О небо, ты души не чаешь в подлецах!
Дворцы, и мельницы, и бани — в их руках;
А честный просит в долг кусок лепешки черствой...
О небо, на тебя я плюнул бы в сердцах!

تن در غم روزگار سپید آمده مار از غم گز شنگان یادده
 دل جز به سر زلف پیر زاده بی باده مباحش و عمر بر بادده

*

Ён берма, бу дунё аслида бедод,
 Ўтганлар ғамин ҳам қилма менга ёд.
 Қўнгил берма гажак сочдан бўлакка,
 Майсиз бўлма, умринг айлама барбод.

*

Что гнет судьбы? Ведь это всем дано.
 Не плачь о том, что вихрем сметено.
 Ты радостно живи, с открытым сердцем.
 Жизнь не губи напрасно, пей вино!

ای نخبہ ساز کا رہاں پیچ نی بنیاد تو بادست از آن پیچ نی

شد حد وجود تو میان دو عدم اطراف تو پیچ در میان پیچ نی

*

Эй онгсиз, билмайсан, бу олам ҳечдир,
Негизинг шамолдир, бир тутам, ҳечдир.
Икки йўқлик аро қолмиш борлигинг,
Атрофинг йўқлигу ўрта ҳам ҳечдир!

*

Кто ты, не знающий мира? Сам посмотри: ты — ничто,
Ветер — основа твоя, ты, богом забытый, — ничто.
Грань твоего бытия — две бездны небытия,
Тебя окружает ничто, а сам внутри ты — ничто.

افسوس که سرمایه زلفت بیرون شد وز دست اجل بسی بگرما خون شد
کس نامہ از آنجہان کہ آرد خبری و احوال مسافران بگوید چون شد

*

Афсус, ёруғ умрим — қаро тун бўлди,
Ажал дастидан кўп жигар хун бўлди.
У дунёдан келиб, айтмади ҳеч ким:
Кетганлар бошида қандай кун бўлди.

*

Как горько, что жизни основы навек обрываются!
Уходят в неизвестность... и кровью сердца обливаются.
Никто не вернулся и вести живым не принес:
Что с ними? И где они в мире загробном скитаются?

از بادو شود تکر از سر تا کم وز بادو شود گشت ده بند محکم
ابلیس اگر ز بادو خوروی یکدم کردی دوهزار سجده پیش آدم

*

Ичкилик кеккайган бошни қилур ҳам
Майдан ечилмаган бирор тугун кам.
Бир қултум май ичган бўлсайди шайтон,
Минг сажда қиларди одамга ул ҳам.

*

Испивши вина среди нас, и гордец бы смягчился.
Я видел, как узел тугой от вина распустился,
И если бы выпил вина ненавистник Иблис,
Две тысячи раз Человеку бы он поклонился.

ساقی که رخت ز جام کشیده است مردن بریت ز عمر جاویده است
 خاک قدمت که چشم من روشن از او است هر ذره ز صد هزار خورشید به است

*

Соқи, юзинг — жоми Жамшиддан яхши,
 Йўлингда ўлмоқ — умри жовиддан яхши,
 Қадаминг чангидан кўзларим равшан,
 Ҳар зарраси юз минг хуршиддан яхши.

*

Саки! Джамшида чаши лик твой краше,
 Смерть за тебя отрадней жизни нашей.
 И прах у ног твоих — свет глаз моих —
 Светлей ста тысяч солнц в небесной чаше.

زآوردن من نبود گردون را سود وز بردن من بعز و جایش نغزو و

وز چمکسی نیز دو گوشم نشنود کاوردن و بردن من از بهر چه بود

*

Мен келдиму, дунё кўрдими фойда?
Кетсам, мартабаси ошарми? Қайда!
Ҳеч ким тушунтириб бера олмади:
Келишим — кетишим сабаби қайда.

*

В мир пришел я, но не было небо встревожено.
Умер я, но сиянье светил не умножено.
И никто не сказал мне — зачем я рожден
И зачем второпях моя жизнь уничтожена?

هرگز به طرب شراب نابی نخورم تا از کف اندوه شرابی نخورم
 نانی نزنم در تنگ پیچ کسی تا از جرغوش کبابی نخورم

*

То қайғу қўлидан ичмасдан шароб,
 Қувониб ичмадим асло майи ноб.
 Ҳеч кимнинг тузига нон ботирмайман,
 То ўз жигаримдан емайин кабоб.

*

Беспечно не пил никогда я чистого вина,
 Пока мне чаша горьких бед была не подана.
 И хлеб в солонку не макал, пока не насыщался
 Я сердцем собственным своим, сожженным дочерна.

خشت سرخم ز ملک جسم خوشتر بوی قدح از غذای مریم خوشتر
 آه سحری ز سینه خماري از ناله بوسعید و اد هم خوشتر

*

Хум тувоғи Жамшид давлатидан соз.
 Қултум май Марямнинг овқатидан соз.
 Мастларнинг тонготар чеккан оҳлари
 Бусайид, Адҳамнинг ниятидан соз.

*

Черепок кувшина выше царства, что устроил Джам.
 Чаша винная отрадней райской пищи Мариам.
 Ранним утром вздохи пьяниц для души моей священной
 Воплей всех Абу Саида и молитв, что пел Адхам.

برکوزه گری پریر کردم گذرے از خاک می نمود هر دم هنرے
 من دیدم اگر ندید شری بگری خاک پدران در کف هر کوزه گرے

*

Кулол дўкониға кирдим, кўзагар
 Лой ишлар кўрсатиб ажойиб ҳунар.
 Ҳеч ким кўрмагани мен кўриб қолдим,
 Ота-бобом лойин қўлида эзар.

*

Вчера зашел я в лавку гончаров,
 Проворны были руки мастеров.
 Но не кувшины я духовным взором
 Увидел в их руках, а прах отцов.

گویند مرا که می پرستممستم گویند مرا فاسق و مستمستم
 و ظاهر من نگاه بسیار کن اندر باطن چنانمستمستم

*

Десалар, майпара́ст — худди ўша мен,
 Десалар, фосиқ, маст — худди ўша мен.
 Сиртимга кўп боқма, ичимда ўзим —
 Бўлсам баландми, паст — худди ўша мен.

*

Говорят, что я пьянствовать вечно готов, — я таков,
 Что я ринд и что иди́лов чгу, как богов, — я таков.
 Каждый пусть полагает по-своему, спорить не буду.
 Знаю лучше их сам про себя, я каков, — я таков.



تا چند برابر روزی از غم گریه
 هرگز نبرد و درم شدن راه بده
 کار من و تو برون ز دست من و
 تسلیم قضا شو بر و انا این به

*

Токай қош чимиртар дунё ташвиши,
 Муродга етказмас кўнгил гиш-гиши.
 Сен, менинг ишимиз эркимиздамас,
 Қазога кўникиш — донолар иши.

*

Доколь из-за жизненных бед свои сокрушать сердца?
 Ты ношу печали своей едва ль донесешь до конца.
 Увы! Не в наших руках твои дела и мои,
 И здесь покориться судьбе не лучше ль для мудреца?

این کهنه رباط را که عالم ناست وارا مگر ابلق صبح و شامست
 بزیمست که وامانده صبر جمشیدست قهریست که تیره گاه صبر میراست

*

Бу кўп эски равог, олам унга ном,
 Тун-кун тулпориға бор бунда ором.
 Бу эски базм юзлаб Жамшиддан қолди,
 Бу гўрда ётади юз-юзлаб Баҳром.

*

Наш мир — подобье старого рабата,
 Ночлежный дом рассвета и заката,
 Остатки пира после ста Джамшидов,
 Пещеры ста Бахрамов свод заклятый.

ساقى گل وسبزە بس طرەنەك شەستە دىيەك كە ھەفتە دەر خاك شەستە
 مى نوش وگلى بچىن كە تا دىنگرى گل خاك شەستە وسبزە ھەم پاك شەستە

*

Соқий, гулу кўкат ҳозир кўп қувноқ,
 Билки, бир ҳафтада у бўлур тупроқ.
 Май ич, гул тер, кўзни юмиб очгунча
 Гул ерга тўкилур, қовжирар ўтлоқ.

*

О кравчий! Цветы, что в долине пестрели,
 От знойных лучей за неделю сгорели.
 Пить будем, тюльпаны весенние рвать,
 Пока не осыпались и не истлели.

این کهنه رباط را که عالم نامست وارا مگر ابلق صبح و شامست
 بز نیست که وامانده صد عیشید است قصر است که تیره گاه صبر است

*

Бу кўп эски работ, олам унга ном,
 Тун-кун тулпорига бор бунда ором.
 Бу эски базм юзлаб Жамшиддан қолди,
 Бу гўрда ётади юз-юзлаб Баҳром.

*

Наш мир — подобье старого рабата,
 Ночлежный дом рассвета и заката,
 Остатки пира после ста Джамшидов,
 Пещеры ста Бахрамов свод заклятый.

استرازل رانه تو دانی نومن دین حرف معمانه تو خوانی نومن
هست از پس پرده گفتگوی من تو چون پرده بر افشاند نه تو مانی نومن

*

Азал сиррин билолмасмиз на сену, на мен,
Бу жумбоқ, ҳал қилолмасмиз на сену, на мен.
Парда орқасида ахир бу ғувуримиз,
Парда кетару қолмасмиз на сену, на мен.

*

Загадок вечности не разумеем — ни ты, ни я.
Прочесть письмен неясных не умеем — ни ты, ни я.
Мы спорим перед некою завесой. Но час пробьет,
Падет завеса и не уцелеем — ни ты, ни я.

از آمدن و رفتن ماسودی کو وز تار امید عمر ما پودی کو

چندین سِر و پای نازنینان جهان میسوزد و خاک میشود دودی کو

*

Келиб — кетмоқдамиз, қани наф — мазмун,
Вужудимиз ўриш-арқоқсиз бутун.
Қанча пок дилларни фалак оташи —
Куйдириб, кул қилур, лек қани тутун.

*

Где польза, что придем и вновь покинем свет?
Куда уйдет уток основы наших лет?
На лучших из людей упало пламя с неба,
Испепелило их — и даже дыма нет.

ای کاش که جای آرین بودی یاین ره دور آرین بودی
کاش از پی صد هزار سال از دل خاک چون سبزه امید بر دمیست کاش بودی

*

Кошки тинч жой топиб, кетиб бўлсайди,
Ё бу узоқ йўлни ўтиб бўлсайди.
Юз минг йилдан кейин орзу-умидлар
Тупроқдан кўкатдек униб кулсайди.

*

Неужто для отдыха места мы здесь не найдем?
Иль вечно идти нескончаемым этим путем?
О, если б надеяться, что через тысячи лет
Из чрева земли мы опять, как трава, прорастем!

شادی مَطْلَب که حاصل غمِ دوم است هر ذره ز خاک کیتبادی و غم است
 احوالِ حسان و بلکه گیتی یکسر خوابی و خیالی و فیرِ بی و دم است

*

Шодлик истама, қўй, умринг бир дамдир,
 Тупроқда ҳар зарра Кайқубод, Жамдир,
 Жаҳону борлиқнинг иши бирйўла —
 Уйқудир, хаёлдир, ҳийладир, ғамдир.

*

Ты сердцу не ищи от жизни утоленья.
 Где Джам и Кей-Кубад? Они — добыча тленья.
 И вся вселенная и все дела земли —
 Обманный сон, мираж и краткое мгновенье.

گردیزمن دلبریا قوت لب است و آب خضر بجای آب عنب است
 گرزیره بود مطرب و بدم عیسی چون دل نبود شاد چه جای طرب است

*

Соқий, ёнда бўлса ёқут лаб санам,
 Узум эмас, Хизр суви бўлса ҳам,
 Зухро — мутриб, Исо бўлса-да ҳамдам,
 Шодлик бўлмас, хотир бўлмас эса жам.

*

Саки! Пусть любви удостоен я пери прелестной,
 Пусть винную горечь заменят мне влагой небесной.
 Пусть будет чангисткой Зухра, собеседник — Иса.
 Коль сердце не радостно, то пировать неуместно.

سركشته به چوكان قضا همچون گوی چپ میرو و راست میرو و چپ میروی
 كان كس كه ترا فكنند اندر تنگ و پوی او داند و او داند و او داند و او داند

Қазо чавғонида коптокдек нуқул
 Чапу ўнг юмала, дема: номаъқул.
 Сени юмалашга солган ким бўлса,
 У билгай, у билгай, у билгай: ҳа, ул!

Човган судьбы, как мяч, тебя гоняет.
 Беги проворней, — спор не помогает!
 Куда? Зачем? — Не спрашивай, игрок
 Все знает сам! Он знает, он-то знает!

از دفتر غم بر گشودم فالی ناگاه از سوز سینه صاحبی لی
برگفت خوش آنکسی که اندر بر او یاریست چو ماهی به شبی چون سالی

*

Умр дафтаридан фол очганда дил,
Хўрсиниб сўзлади бир куйган кўнгил:
Бахтлидир ул кимса — ой юзли ёри —
Бағрида бўлса-ю оқшоми бир йил.

*

По книге бытия гадал я о судьбе.
Мудрец, скрывая скорбь душевную в себе,
Сказал: «С тобой — луна в ночи, как месяц долгой.
Блаженствуй с ней! Чего еще искать тебе?»

از حادثه زمان رانده مترس وز هر چه رسد چو نیست پاینده مترس
این یکدم نقد را بعثرت بگذار وز رفقه میندیش ز آئینده مترس

*

Ситамгар, ўткинчи даврондан қўрқма,
Кўргилик ўтади жаҳондан, қўрқма.
Ғам чекма, нақд умринг ишратда ўтказ,
Нақ шундоқ келажак замондан қўрқма.

*

Не бойся козней времени бегущего,
Не вечны наши беды в круге сущего,
Миг, данный нам, в веселье проводи,
Не плачь о прошлом, не страшись грядущего.

ترسیم کرین بیش به عالم زسیم باهمنفسان نیز فرسایم زسیم
این دم که در اویم غنیمت شمریم شاید که بزندگی در آندم زسیم

*

Келолмагач қайтиб ушбу оламга,
Қўрқамен, етмасмиз ёру ҳамдамга.
Бу дамни ғанимат ҳисоб этайлик,
Балки етолмасмиз ҳатто шу дамга.

*

Боюсь, что в этот мир мы вновь не попадем
И там своих друзей — за гробом — не найдем.
Давайте ж пировать в сей миг, пока мы живы.
Быть может, миг пройдет — мы все навек уйдем.

زان می که حیات جاودانی است بخور سرمایۀ لذت جوانی است بخور
سوزنده چو آتش است لیکن غم را سازنده چو آب زندگانی است بخور

*

Ичавер, май ичган мангулик яшар,
Дунё лаззатининг барисин ошар.
Май деган қайғуни оловдек ўртаб,
Оби ҳаёт каби жўш уриб, тошар.

*

Вот в чаше бессмертья вино, — выпей его!
Веселье в нем растворено, — выпей его!
Гортань, как огонь, обжигает, но горе смывает
Живою водою оно, — выпей его!

چون نیست حقیقت و یقین اندر دست
نتوان بامید شک همه عمر نشست

آن تا ننخسیم جام می از کف دست
در یخبری مرد چه بسیار چه مست

*

Бўлмагач ҳақиқат қўлингда аён,
Ўтмассен бутун умр кўнгилда гумон.
Яхшиси май жомин қўлдан қўймайин,
На масту на ҳушёр, бўлайлик шодон.

*

Пусть в наших знаньях — изъян, в постулатах — обманы,
Полно томиться, разгоним сомнений туманы!
Лучше наполним широкую чашу вином,
Выпьем и веселы будем — ни трезвы, ни пьяны,

نتوان دل شاد را غم فرسودن وقت خوش خود بنگ محنت سودن

کس غیب نداند که چه خواهد بودن می باید و معشوق و بکام آسودن

*

Дилингни ғам билан эзмаклик нечун.
Хуш вақтинг айлама заҳматда дилхун.
Ғайб сирин ким билсин, эрта не бўлур?
Май ич, сев, орзуга етмоқлик учун.

*

Зачем печалью сердечный мир отягчать?
Зачем заботой счастливый день омрачать?
Никто не знает, что нас потом ожидает.
Здесь нужно все нам, что можем мы пожелать.

رو بر سر افلاک و جهان خاک انداز می بخور و دل با هر ویان میبار

چه جای عتاب آمد و چه جای نیاز کز جلد و شکن یکی نماند باز

*

Осмонда кез, майли кул бўлсин жаҳон,
Май ич, гўзалларга бўлиб гиргиттон.
Нима керак газаб ёки ёлвориш,
Кетгандан келмади ҳеч ким, ҳеч қачон.

*

С беспечным сердцем встречай рассвет и закат,
Пей с луноликой, утешь и сердце, и взгляд.
О друг, не время терзаться тщетной заботой,
Ведь из ушедших никто не вернулся назад.

مقصود از جمله آفرینش ما یم در چشم خود گوهرینش ما یم
 این دایره جهان چو انگشتری است بی هیچ سگی نقش نگینش ما یم

*

Дунёнинг тилаги, самари ҳам биз,
 Ақл кўзин қораси — жавҳари ҳам биз.
 Тўғарак жаҳонни узук деб билсак,
 Шаксиз унинг кўзи — гавҳари ҳам биз.

*

Конечно, цель всего творенья — мы,
 Источник знания и прозренья — мы.
 Круг мироздания подобен перстню,
 Алмаз в том перстне без сомненья, — мы

گر باده خوری تو با خسر و مندان خور یا با صمسی لاله رخی خندان خور

سیار مجرور و مکن فاش مساز اندک خور و که گاه خور و پنجهان خور

*

Май ичсанг, оқилу доно билан ич,
Ёки бир гул юзли зебо билан ич.
Оз-оз ич, гоҳ-гоҳ ич ҳам яширин ич,
Эзма, расво бўлма, ҳаё билан ич.

*

Пей с мудрой старостью златоречивой,
Пей с юностью улыбчиво-красивой.
Пей, друг, но не кричи о том, что пьешь,
Пей изредка и тайно — в миг счастливый.

بادلبرکی تازه تر از خرمن گل از دست مده جام می و دامن گل
زان پیشتر که کرد از باد اجل پیراهن عمر با چوپیه این گل

*

Ёнингда гулдан ҳам нозанин дилбар,
Гулу майдан қўлинг узма сар-басар.
Ажал ели билан умр кўйлаги
Гулдайин бир йўла тўкилиб кетар.

*

Ты жив, здоров, беспечен, пей пока
С красавицей, как роза цветника,
Покамест не сорвет дыханье смерти
Твой краткий век подобьем лепестка.

برچسره گل نسیم نوروز خوشست در محن چین روی دل افروز خوشست
از دی که گذشت بهر گوئی خوش نصیب خوش باش و زدی مگر که امروز خوشست

*

Гул узра кўкламнинг шабнами яхши,
Чаманда юз очган ҳамдами яхши.
Яхшимас кечаги кундан сўз очмоқ,
Қувнаб қол, бу куннинг ҳар дами яхши.

*

На розах блистанье росы новогодней прекрасно.
Любимая — лучшее творенье господне — прекрасна.
Жалеть ли минувшее, бранить ли его мудрецу?
Забудем вчерашнее! Ведь наше Сегодня — прекрасно.

بیگارم و تب در امتحانم دارد نا خوردن می قصد بحسانم دارد
 دین طرفه نگر که همه چه در بیماری جز باده خورم همم زیانم دارد

*

Оғрикмен, иситма имтиҳон қилур.
 Ичмасам, май менга қасди жон қилур.
 Бу ажаб ишни кўр, бетоблигимда
 Майдан бошқа нарса кўп зиён қилур.

*

Я болен, духовный недуг мое тело томит,
 Отказ от вина мне воистину смертью грозит.
 И странно, что сколько я ни пил лекарств и бальзамов,—
 Все вредно мне! Только одно лишь вино не вредит.

صدخانه زخواب دلم ویرانست وز گریه زاریم صد چنبدانست
از هر مژه ناودان خونست روان گرم مژه را بهم زخم طوفانست

*

Юрагим қонидан юз хона вайрон.
Уввос тортувимдан қўрқинч юз чандон.
Ҳар бир кипригимда қон дарёси бор,
Киприклар юмилса бошланур тўфон.

*

Моей скорби кровавый ручей сотню башен бы снес,
Десять тысяч строений подмыл бы поток моих слез.
Не ресницы на веках моих — желоба дождевые,
Коль ресницы сомкну — от потопа бежать бы пришлось.

ایزدیو نخواست آنچه من خواسته ام کی کرد راست آنچه من خواسته ام
 گر جلا صوابست که او خواسته است پس جلا خطاست آنچه من خواسته ام

*

Хоҳлаган ишимни хоҳламас худо.
 Қачон истагимни айлабди бажо.
 Унинг истаклари тўп-тўғри бўлса,
 Менинг истакларим барчаси хато.

*

Мне богом запрещено — то, что я пожелал,
 Так сбудется ли оно — то, что я пожелал?
 Коль праведно все, что Изед захотел справедливый,
 Так значит, все ложно, грешно — то, что я пожелал.

آنکه محیط فضل و آداب شدند در کشف علوم شمع محاب شدند

روزین شب تاریک نبروند برون گفتند فسانه فی و در خواب شدند

*

Билагонлар бор-ди, ўхшаш офтобга,
Ҳар бири хазина илму одобга.
Бу қоронғу тундан йўл топишолмай,
Бирор афсона деб кетдилар хобга.

*

Те, что украсили познания небосклон,
Взойдя светилами для мира и времен,
Не расточили тьму глубокой этой ночи,
Сказали сказку нам и погрузились в сон.

آتکس که زمین و چرخ و افلاک نهاد
بست داغ که بر این دل غمناک نهاد

بسیار لب لعل و شش و روی چو ماه
در زیر زمین و حق خاک نهاد

*

Улким жаҳон тузди, чарх-афлок тузди,
Кўнгилга доғ солди, ҳам чок-чок тузди,
Жуда кўп ёқут лаб, ой юзлиларни
Ер ичра жо қилди, бир кафт хок тузди.

*

Тот, кто землю поставил и над нею воздвиг небосклон,
Сколько горя с тех пор он печальному сердцу несет.
Сколько ликов прекрасных, как луны, и уст, как рубины,
Скрыл он в капище праха земного, под каменный гнет.

امروز ترا دسترس فرسودانیت
وندیشه فرسودات بحر سودانیت

ضایع مکن ایندم اردولت شیدا
کاین باقی عمر را بجا پیدانیت

*

Ўз эркингда эмас, ахир, эрта кун.
Эргангни кўп ўйлаб бўлма жигархун.
Бу дамни бекорга кетказма асло,
Билиб қўй, дунёга бўлмайсан устун.

*

Ты сегодня не властен над завтрашним днем,
Твои замыслы завтра развеются сном!
Ты сегодня живи, если ты не безумен.
Ты — не вечен, как все в этом мире земном.

یک قطره آب بود باد ریاشد یک ذره خاک بازین بکناشد
آمدن تو اندرین عالم چیست آمد کسی پدید و ناپیداشد

*

Томчи сув дарёда йўқ бўлиб кетди,
Ерга чанг кўнди-ю, кўмилиб кетди.
Дунёга келишинг, кетишинг нима?
Бир чивин туғилди ё ўлиб кетди.

*

Малая капля вод слилась с волною морской.
Малая горстка земли смешалась с перстью земной.
Что твой приход в этот мир и что твой уход означает?
Где эта вся мошкара, что толклась и звенела весной?

گر چند که از گناه بد بختم و زشت
نومید نیم چوبت پرستان کشت
میرم چون سحر ز محموری باز
می خواهم و معشوقه نه مسجد ز کشت

*

Бадбахтмен, гуноҳдан ҳеч қутулмадим,
Аммо ўтпарастдек ноумид бўлмадим.
Тонг чоғи ўларсам бош оғриғидан,
Маю маъшук керак, жаннат демадим.

*

Хоть грешен и несчастен, я, хоть мерзостен себе я сам,
Но не отчаиваюсь я, в кумирню не бегу к богам,
С похмелья полумертв с утра — встаю, иду я, акк вчера,
К красавицам, в питейный дом, а не в мечеть, не
в божий храм!

ای دوست بیاتاغسم فردا نخوریم این یکدم غم را غنیمت بشمریم
 فردا که ازین دیر فنا در گذریم با هفت هزار سالگان بسریم

*

Эй дўст, халос бўлайлик эрталиқ ғамдан.
 Нақд деб баҳра олайлик ғанимат дамдан.
 Етти минг йилгилар билан тенгмиз-да —
 Эртага кетсак бу кўҳна оламдан.

*

Друг, не тужи о том, чего уж нет,
 Нам светит дня сегодняшнего свет.
 Всем завтра предстоит нам путь безвестный.
 Вослед ушедшим за семь тысяч лет.

آنرا که وقوف است بر ابرار جهان شادی و غم و رنج بر او شد یکسان

چون نیک و بد جهان بسر خواهد شد خواهی همه درو باش و خواهی روان

*

Кимга маълум бўлса жаҳоннинг сирин,
Қувончу ҳам фарқсиз биридан-бири,
Чунки ўтмай қолмас яхши ҳам ёмон
Хоҳ бари дард бўлсин, хоҳ дармон бари.

*

Для тех, кому познание тайн дано,
И радость, и печаль — не все ль равно?
Но коль добро и зло пройдут бесследно,
Плачь, если хочешь, или пей вино.

من بادہ بجام یک منی خواہم کرد خود را بدورِ سیل می غنی خواہم کرد
 اول سے طلاق عقل و دین خواہم داد پس دختر رز را بزنی خواہم کرد

*

Бир ботмон бодани бир жомга солсам,
 Икки жом май билан бой бўла қолсам.
 Аввал ақлу диним қилиб уч талоқ,
 Сўнгра ток қизига уйланиб олсам.

*

Мы чашей весом в ман печаль сердец убьем.
 Обогадим себя кувшинами с вином.
 Трикраты дав развод сознанью, знанью, вере,
 На дочери лозы мы женимся потом.

این قافلہ غم عجیب میگذرد دریاب دمی که با طرب میگذرد

ساقی غم فرمای حریفان چه خوری پیش آریا که شب میگذرد

*

Утиб борар ажиб умр карвони
Кўлингдан чиқмасин шодлик замони.
Соқи, эрта куннинг гамин емагил,
Қадаҳ сун! Ўтмасин туннинг бир они.

*

Как странно жизни караван проходит.
Блажен, кто путь свой — весел, пьян проходит.
Зачем гадать о будущем, саки?
Дай мне вина! Ночной туман проходит!



خوشیدکنده سحر بام افکنده کینه روز مهره در جام افکنده
می خور که ندای عشق به کام می خور آوازه اشوبوا در ایام افکنده

*

Офтоб тонг камандин туширди томга,
Кундуз шоҳи муҳра солмишдур жомга.
Май ич, ишқ нидоси саҳар пайтида
«Ишрабу...» овозин ёйди айёмга.

*

В воздух бросило солнце блистающий утра аркан,
И над шариком в чаше раздумьем Хосров обуян.
Пей вино! Это клики любви во вселенной безмерной
Отзываются откликом: «Пей же, пока ты не пьян».

ای مفتی شهر از تو پر کارتریم با این همه مستی ز تو، شیارتریم

ما خون رزان خوریم و تو خون کسان انصاف بده کدام خونخوارتریم

*

Муфти, сендан кўра пуркорроқдирмиз,
Ўта маст бўлсак ҳам ҳушёрроқдирмиз.
Биз ток қонин ичамиз, сен одам қонин,
Инсоф қил, қайсимиз хунхорроқдирмиз.

*

Эй, муфтий, погляди... Мы умней и дельнее, чем ты.
Как с утра мы ни пьяны, мы все же трезвее, чем ты.
Кровь лозы виноградной мы пьем, ты же кровь своих
ближних;
Сам суди — кто из нас кровожадней и злее, чем ты.

تاپچندرين حيله و زراقي غم
 تاپچند مرا درد و ديد ساقی غم
 خابيم که ز دست حيله و خدو او
 چون خبره بنجاک ريزم اين باقی غم

*

Токай ҳийлагар умр солар тузоққа,
 Токай май лойқасин тутар дудоққа.
 Ҳийласи дастидан қолган умримни
 Бир қултум май каби сочай тупроққа.

*

Доколь мне в обмане жить, как в тумане бродить?
 Доколь мне, о жизнь, осадки мутные пить?
 Наскучила мне твоя хитрость, саки вероломный,
 И жизнь я готов, как из чаши остатки, пролить.

یاری که دلم ز بهر اوزار شد ست اوجای دگر بغم گرفتار شد ست

من در طلب داروی خود چون کوشم چون آنکه طبیب ماست بیمار شد ست

*

Дилим бўлган эди битта ёрга зор,
У ўзга бир ерда ғамга гирифтор.
Мен ундан ўзимга дору изласам,
Нетай, табибимнинг ўзи ҳам бемор.

*

Любимая, чьим взглядом сердце ранено,
Сама петлею горя заарканена.
Где я найду бальзам, когда сознание
Целительницы нашей отуманено?

يک جرعه می ز ملک قابوس بہ است وز تخت قباد و سزندطوس بہ است
 مہ آہ کہ عاشق سحر گاہ کشد از نالہ ز اہل ان سالوس بہ است

*

Бир қултум май — мулки Қобусдан яхши,
 Қубод пойтахти — у Тусдан яхши.
 Ошиқлар саҳар пайт чеккан ҳар бир оҳ
 Зоҳиддаги сохта товушдан яхши.

*

Чаша вина мне дороже державы Кавуса,
 Трона Кубада и славы отважного Туса.
 Стоны влюбленных, что слышатся мне на рассвете,
 Выше молитв и отшельнического искуса.

اندیشه عمر پیش از شصت من هر جا که قدم نهی بجزست من
زان پیش که کاره سرت کوزه کنند تو کوزه زدوش و کاره از دست من

*

Олтмишдан ортиқ умр истама ҳеч ҳам,
Маст бўлмай бир ерга ташлама қадам.
Кўза қилишмасдан бошинг косасин,
Кўза қуч, косани ушлагил маҳкам.

*

Ты не мечтай перевалить за шесть десятков лет.
Так пусть же пьяным застаёт всегда тебя рассвет.
Пока из головы твоей не сделали кувшин,
Кувшину с чашей дай любви и верности обет.

زان پیش که از زمانه تابی بخوریم بایکدگر امروز شرابی بخوریم
کاین چرخ فلک بگناه رفتن مارا چندان ندیده امان که آبی بخوریم

*

Бошга чарх кулфати тушмасдин ҳали,
Келингиз, қўр тўкиб, шароб ичгали.
Бу фалак, дунёдан ўтар чоғимиз —
Қўймайди бир томчи сув ҳам ютгали.

*

Пред тем, как испытать превратности сполна,
Давай-ка разопьем сегодня ратль вина.
Что завтра нам сулит возвращенье небосвода?
Быть может, и вода не будет нам дана.

بسیار گشتیم کرد و داشت گذشتن مان کار همه نیک گشت
 در ناخوشی زمانه باری غم گر خوش گذشت باری خوش بگذشت

*

Ўру қир айландик, хўп кездик олам,
 Ишимиз ўринлаб тузалмади ҳам.
 Ноқулай замонда ўтган умримиз,
 Яхши ўтмаса ҳам ўтолди кам-кам.

*

Мой дух скитаньями пресытился вполне,
 Но денег у меня, как прежде, нет в казне.
 Я не ропщу на жизнь. Хоть трудно приходилось,
 Вино и красота все ж улыбались мне.

ای گشته شبانروز بدیناگران وندیش نکرده هیچ از روزگران
 آخر بخود آئی و نیک بنگریدم کایام چگونه میکنند با دیگران

■

Эй тун-кун дунёга кўз тиккан киши,
 Ақлингни жўймасин дунё ташвиши.
 Ахир эсингни йиғ, ҳушёрроқ бир боқ,
 Недир бошқаларга унинг қилмиши.

✱

Ты ради благ мирских сгубил земные дни,
 Но вспомни День Суда, на жизнь свою взгляни.
 Ведь многих до тебя стяжание сгубило.
 И что постигло их? Где теперь они?

آنکوستری ز عقل بر دل بنگاشت یک لحظه ز عمر خویش ضایع نگذاشت

یا در طلب ضای ایند کوشید یا راحت خودگزید و ساغر برداشت

*

Кимдаки ақлдан бирон сатр бор,
Умрин бир лаҳзасин ўтказмас бекор,
Ё худо карамин истаб ўтади,
Ё роҳатин кўзлаб, май ичар бисёр.

*

Кто слова разума на сердце начертал,
Тот ни мгновения напрасно не терял,
Он милость Вечного снискать трудом старался
Или покой души за чашей обретал.

پاک از عدم آمدیم و ناپاک شدیم شادان بدر آمدیم و غمناک شدیم
 بودیم ز آب دیده در آتش دل دادیم بیا و غم و در خاک شدیم

*

Йўқликдан пок келиб, нопок бўлдик биз,
 Шўху қувноқ келиб, ғамноқ бўлдик биз,
 Кўзимиз тўла ёш, юракда слов,
 Умр елга кетди ҳам хок бўлдик биз.

*

Мы чистыми пришли и осквернились,
 Мы радостью цвели и огорчились.
 Сердца сожгли слезами, жизнь напрасно
 Растратили и под землею скрылись.

غرشید پهری زوالی عشق است مرغ چمن خسته فالی عشق است
 عشق آن نبود که همسپو بل نالی هر که کبیر و نالی عشق است

*

Ишқдир абадийлик авжида офтоб,
 Ҳаёт чаманида толедан хитоб,
 Булбул каби нола қилмоқ ишқ эмас,
 Ишқ-нола қилмаслик бўлсанг юз хароб.

*

Солнце пламенного небосклона — это любовь.
 Птица счастья средь чаши зеленой — это любовь.
 Нет, любовь не рыдания, не слезы, не стон соловья,
 Вот когда умираешь без стога, — это любовь.

درد هر کسی بگلزار می نرسید تا برداشتن آن زمانه خنای نرسید
 در شاه نگر که تا بعد شاخ نشد و متش بجزلف نگاری نرسید

*

Гул юз ёр ҳеч кимга насиб этмас экан,
 То унинг дилига санчилмай тикан.
 Тароққа назар сол, ёрнинг сочига —
 Етгунча юз бўлак бағри тилинган.

*

Никто не соединился с возлюбленной своей,
 Пока не изранил сердце шипами, как соловей.
 Пока черепаховый гребень на сотню зубцов не расщеплен,
 Он тоже не волен коснуться твоих благовонных кудрей.

من هیچ ندانم که مرا آنگه سرشت از اهل بهشت کرد یا دوزخ زشت

جای دیتی و بر بلی بر لب کشت این هر سه مرا نقد و ترانیه بهشت

*

Билмадим, қорилган чоғида лойим,
Жаннатми, дўзахдан аталган жойим.
Менга нақд бўлса бас ёр, чолғу, шароб,
Нася жаннат сенга бўлсин ҳар дойим.

*

Я из рая или ада пришел, — сам не знаю я о себе.
Я такой живу, как я есть, — так угодно было судьбе.
Полный кубок, кумир и барбат на цветущем лугу
у ручья:
Эти три — налицыми мне, рай обещанный — в долг тебе.

گفتم که دیگر باوه گلگون نخورم می خون رزان است دیگر خون نخورم
 پیسرخوردم گفت که چه میگوئی گفتم که مزاج مینسکنم چون نخورم

*

Дедим: Энди майи гулгун ичмайман,
 Май — ток қони, энди мен хун ичмайман,
 Кекса ақлим айтди: Шу гапинг ростми?
 Дедим: Ҳазиллашдим, нечун ичмайман?!

*

Сказал я сам себе: вина я пить не буду,
 Кровь виноградных лоз теперь я лить не буду.
 «Ты впрямь решил не пить?» — спросил меня рассудок,
 А я: «Как мне не пить? Тогда я жить не буду».

زینهار مرا از جام می قوت کنید وین چھڑہ کھرا چو یاقوت کنید
چون درگذرم بمی بشوئید مرا وز چوب رزان تخته تابوت کنید

*

Хўрагимни май-ла тўкис — бут қилинг,
Каҳрабо юзимни нақ ёқут қилинг.
Жаҳондан кўз юмсам, шаробга ювиб,
Ток зангидан менга бир тобут қилинг.

*

Вновь меня чистым вином, о друзья, напоите,
Розы весны пожелтевшим ланитам верните.
В день моей смерти вы прах мой омойте вином,
Из виноградной лозы мне табут смастерите.

بامانېرځي بر لب جوى وىل و وړو تا هست مى سرم طرب خواهم كرد
 تابوده ام و مستم و خواهم بودن مى خورده ام و مى خورم و خواهم خورد

*

Кувончлар йўлини тутиб ҳар қандай
 Қирғоқда ёр ила ичсанг тоза май,
 Бор бўлдим, бордирман — то бор бўламан,
 Май ичдим, ичяпман, ҳар доим ичай.

*

Вином и пери счастье мне дано.
 Пусть будет сердце радостью полно.
 Всегда, пока я был, и есть, и буду,
 Я пил, и пью, и буду пить вино.

بىخىز سېادامىن گل چاڭ شە ۋىل زى جمال گل سېرىناڭ شە
 درسايد گل نشين كېسېدا شىگل درخاڭ فىرور يزد و ماڭاڭ شە

*

Сабодан бўлибди гул ёқаси чок,
 Гул юзидан булбул бўлмиш тарабнок.
 Гул тагида ўтир, чунки жуда тез
 Гул ерга тўкилур, биз бўлурмиз хок.

*

Вновь распускаются розы под утренним ветерком
 И соловьиною песней все огласилось кругом.
 Сядем под розовой сенью! Будут, как нынче,
 Их лепестки осыпаться, когда мы в могилу сойдем.

خستام زمانه از کسی دارد تنگ کور غم ایام نشیند و تنگ
 می خورت و آبگینه باناله چنگ زان پیش که آبگینه آید بر سنگ

*

Ким кунлар ғамидан дилин қилур қон,
 Хайём, ул одамдан уялур замон.
 Шишанг тошга тегиб синмасдан бурун
 Шишада май ичгил, соз чалиб нолон.

*

Хайям, судьба сама бы устыдилась
 Того, чья грудь тщетою сокрушилась.
 Так пей под чанг вино из полной чаши,
 Пока о камень чаша не разбилась.

یاران چو باتفاق میعاد کنید خود را بحال یکدگر نشاود کنید
ساقی چو می مغسانه برف گیرد پیچاره مرا هم بدعا یاد کنید

*

Дўстлар иноқликда бўлингиз обод,
Тез-тез дийдор кўриб, этинг ўзни шод.
Соқи тоза майни сузганда айланг —
Мен бечорани ҳам дуо бирла ёд!

✱

Когда опять вы в погребок укромный постучите,
Вы лучезрением друзей сердца развеселите,
Когда саки вас угостит пьянящей влагой магов,
Вы добрым словом и меня, беднягу, помяните.

باتو بخرابات اگر گویم راز
به زانکه کنم بی تو به محراب نماز
ای اول وای آخر جز تو همه هیچ
خواهی تو مرا بسوز، خواهی بنواز

*

Сенсиз ўқигандан меҳробда намоз,
Майхонада сенга сир айтганим соз.
Аввал — сен, охир — сен, сенсиз бари пуч,
Майли ўтга ташла ё айла навоз.

*

Если тайну среди трущоб я открою тебе, любя,
Это лучше пустых молитв, пусть в михрабе, но без тебя,
Ты — конец и начало всего, без тебя и нет ничего,
Хочешь — сам меня одари иль сожги, навек истребя.

ابریق می مرا شکستی ز بقی بر من در عیش را بستی ز بی
بر خاک بریختی می گلگون را خاکم بدین مگر که مستی ز بی

*

Кўзамни синдириб, ирғитдинг, тангри,
Хуррамлик эшигин беркитдинг, тангри,
Тупроққа тўкдинг-ку гулгун майимни,
Билмадим, мастмисен, на этдинг, тангри.

*

Ты мой кувшин с вином разбил, о господи!
Ты дверь отрады мне закрыл, о господи!
Ты пролил на землю вино пурпурное...
Беда мне! Иль пьян ты был, о господи?

این کاسه گری که کاسه سیرتار کرد در کاسه گری صنعت خود پیدا کرد

برخوان وجود مانگون کار نهاده وان کاسه سرنگون یراز سودا کرد

*

Улким, бош косасин бино қилибдур,
Косагар санъатин пайдо қилибдур.
Бош косасин вужуд дастурхонига
Тўнтариб, лиқ тўла савдо қилибдур.

*

Тот гончар, что, как чаши, у нас черепа округлил,
Впрямь искусство в гончарном своем ремесле проявил.
Над широкой суфрой бытия опрокинул он чашу
И всю горечь вселенной под чашею той заключил.

کردون ز زمين بچ گلې برنار و کشر شکند و هم بز زمين نسپارد

گر ابر چو آب خاک را بردارد تاش همه خون عزيزان بارد

*

Ердан бирон гулни ундирмас осмон,
То уни қилмасин тупроққа яксон.
Тупроқ булут бўлиб кўкка ўрласа,
Қиёмат кунгача ёғар эди қон.

*

Взрастит ли розу в мире небосвод,
Что после зноем полдня не сожжет?
Когда б копился в тучах прах погибших,
То дождь кровавый падал бы с высот.

گر باد به بکوه بروی رقص کند ناقص بود آنک باد به رانقص کند
 هرگز ننگم ز باد به من توبه از آنک چیزی است که او تربیت شخص کند

*

Майни тоққа берсанг, тоғ ҳам рақс этар,
 Ёмонлар ёмонлаб уни наҳс этар.
 Майдан асти тавба қилмайман, зеро,
 Май тарбия берар, шахсни шахс этар.

*

Ты дай вина горе — гора пошла бы в пляс.
 Пусть карой за вино глупец пугает вас,
 Я в том, что пью вино, вовеки не раскаюсь,
 Ведь мысль и дух оно воспитывает в нас.

بردار پیاله و سبوی ای دلجوی برگرد بگرد سبز زار و لب جوی

کاین چرخ بسی سر و قدان مهری صد بار پیاله کرده صد بار سبوی

*

Kўza-yu, kosangni kўtar, эй дилдор,
Kўкалам сув бўйи, салқин жойга бор.
Бу чарх кўп сарв қад, ой юзлиларни
Гоҳ кўза, гоҳ коса қилмиш неча бор.

*

Подыми пиалу и кувшин ты, о свет моих глаз,
И кружись на лугу у ручья в этот радостный час,
Ибо многих гончар-небосвод луноликих и стройных
Сотни раз превратил в пиалу, и в кувшин — сотни раз.

بر سنگ زوم دوش سبوی کاشی سرست بُدم چو کردم این اوباشی
 بامن بزبان حال یگفت سبوی من چون تو بُدم تو نیز چون من باشی

*

Мастдим, тошга урдим кўзамни бир кун,
 Ул кўнгил тилидан чиқарди бир ун:
 Мен ҳам сендек эдим, сен ҳам охири
 Бўлурсан менингдек — ранжитмоқ нечун!

✱

Вчера раскрошил я о камень кувшин обливной.
 Был пьяным, свершил я поступок нелепый такой.
 Кувшин прошептал мне: «Тебе я был прежде подобен,
 Не стало б того же с тобою, что стало со мной!»

ای آنکه ز کنه تو خسته را گلی وز طاعت و از معصیتیم مستغنی

ستم ز کناه و از رجا بشیایم امید بر رحمت تو دارم یعنی

*

Бор-йўғингдан ақлим эмас хабардор,
Тоат — исёнимга эмассан ҳам зор,
Гуноҳдан мастману, лутфингдан хушёр,
Яъни раҳматингдан доим умидвор.

*

Разум смертных не знает, в чем суть твоего бытия,
Что тебе непокорность моя и покорность моя?
Опьяненный своими грехами, я трезв в упование,
Это значит: я верю, что милость безмерна твоя.

این اہل قبور خاک گشتند و غبار
 ہر ذرہ زرہ گشتند کنار
 آہ این چه شرابست کہ تار و ز شمار
 بخود شدہ و بی خبرند از عمر کار

*

Бу қабрдагилар бұлмишлар тупроқ.
 Зарра-зарра бўлиб ётишар тарқоқ.
 Оҳ, бу қандай шароб, уни ичганлар
 Қиёматга қадар эс-ҳушдан авлоқ.

*

Жильцы немых гробниц, забытые в веках,
 Давно рассыпались и превратились в прах.
 Чем напились они, чтоб так до Киемата
 Проспать без памяти, забыв о двух мирах?

دربز خمر سر عقل و لیلی سر گفت در روم و عرب میهنه و میره گفت
گر گفت کسی که ناسره باشد می من کی شنوم چونکه خدای سر گفت

*

Далил топдим ақлим қайнаган онда,
Румдами, арабда, ҳамма томонда —
Май ҳаром десалар, ишонмайман ҳеч,
«Майсара...» деган-ку худо қуръонда.

*

На пиру рассудка разум мне всегда гласит одно,
Хоть в Аравии и Руме разнотолк идет давно:
«Пить вино грешно; но имя благодати — Майсара.
Майсара, — сказал создатель, — это значит: пей вино».

زنجبدر کنون که میتوانی باری بر دواز خاطر عزیز باری
 کاین ملک حسن مانند بساوید از دست تو هم برون شود یک باری

*

Бу кун келар экан қўлингдан, зинҳор,
 Азизлар хотирин шод эт, э дилдор.
 Ҳуснинг салтанати турмас абадий.
 Тўсатдан қўлингдан кетиши ҳам бор.

*

Теперь, когда ты волен, встань, поди,
 На светлый пир любовь свою веди.
 Ведь это царство красоты не вечно,
 Кто знает, что там будет впереди?

وقت سحر است خیز ای طرفیهر پر باد لعل کن بلورین سحر

کاین یکدم غایت در این گنج فنا بسیار بجونی و نیابی دیگر

*

Шўх йигит, ўрнингдан тургил тонг-саҳар,
Еқут майга тўлдир биллурун соғар.
Ҳар дам омонатдир, ўтиб кетар тез,
Сўнг қанча қидирсанг топмассен хабар.

*

Встань, милый отрок мой, рассвет блеснул лучом.
Наполни чаши кристалл рубиновым вином.
Нам время малое дано - в юдоли брэнной.
То, что уйдет навек, мы больше не вернем.



می لعل مذاب است و خراعی نیست جسم است پیاله و شرابش جاست
آن جام بدورین که ز می خند نیست اشکی است که خون دل درونچاست

*

Май балқиган ёқут, кўзаси қондур,
Қадаҳи бадану шароби жондур.
Биллурун бу қадаҳ майдан хандондур,
Кўз ёшдир, дил қони унда пинҳондур.

*

Вино — прозрачный рубин, а кувшин — родник.
Фиал — это плоть, а вино в нем — души родник,
В хрустальной чаше искрится вино огневое,
То — ливень слез, что из крови гроздий возник.

دلبرده که عمرش چو غم باد دراز امروز تلطفی زنو کرد آغ از
 چشم من انداخت دی چشم و برت یعنی که خوبی کن و در آب انداز

*

Қайғумдек узоқ умр кўрсин у ғазол,
 Бүкун яна лутфдан кўрсатиб жамол,
 Кўзимга бир нигоҳ ташлади кетди,
 Яъни — «Яхшиликни қил, дарёга сол».

*

Возлюбленная, да будет жизнь твоя дольше моей
 печали!
 Сегодня милость явила мне, как прежде когда-то,
 вначале.
 Бросила взгляд на меня и ушла, как будто сказать
 хотела:
 «Сделай добро и брось в поток, чтобы людям волны
 умчали».

من باده خورم ولیک مستی نکم الآبه قدح دراز دستی نکم
 دانی غرضم ز می پرستی چه بود تامن چو تو خوشیستن پرستی نکم

*

Май ичамен, мастлик қилмаймен асло,
 Қадаҳдан ўзгача бўлмайман бало.
 Бода ичишликдан менинг ғаразим —
 Ўзимга сен каби қўймаслик бино.

*

Я пью вино, но я не раб тщеты.
 За чашей помысли мои чисты.
 В чем смысл и сила поклоненья чаше?
 Не поклоняюсь я себе, как ты.

ساقی که لبش مُفرح یاقوت است دل را غم او قوت و جان را قوت است
 هر کس که نشد کشته به طوفان غمش در کشتی نوح زنده در مابوت است

*

Соқи лабларидан ранг олмиш ёқут,
 Ғами дилга қувват, жонга берар қут,
 Ишқи тўфонида қим ғарқ бўлмади,
 Ғўё Нух кемаси унга бир тобут.

*

Ты, кравчий, озарил мою судьбу,
 Ты — свет влюбленному, а не рабу.
 А тот, кто не погиб в потоке горя,
 Живет в ковчеге Ноя, как в гробу.

دکار که کوزه گری رستم دوش دیدم دوهزار کوزه گویا و خموش

ناگاه یکی کوزه بر آورد و خموش کو کوزه گرو کوزه خر و کوزه فروش

*

Кулол дўконига ташладим назар,
Икки мингча кўза жим суҳбат қурар:
— Қайсимиз сотувчи, — деди бир кўза, —
Қайсимиз олувчи, қани кўзагар?

*

В горшечный ряд зашел я на базар,
Там был гончарный выставлен товар.
И вдруг один кувшин глаголом тайным
Спросил: «Где покупатель? Где гончар?»

ما افسر خان و تاج کی بفروشم
 دستار قصب بمانک فی بفروشم
 تسبیح که یک شکر تزویر است
 نگاه بیک پیاله می بفروشم

*

Сотардик хон тахти, тожи Қай бўлса,
 Салла, чопонни ҳам, агар най бўлса,
 Фирибнинг лашкари бўлган тасбеҳни
 Бирдан сотар эдик қултум май бўлса.

*

Что мне троны султанов? Что мне их дворцы и казна?
 Не нужна мне чалма из касаба, мне флейта нужна!
 Звук молитвенных четок — посланников рати обмана —
 Отдаю я сполна за вечернюю чашу вина.

سرسټ به مینخانه گذر کردم دوش پیری دیدم مست و سبونی بردوش
گفتم که چراننداری از یزدان شرم گفتا که کریم هست خدا باد و بنوش

*

Мастона йўл олдим майхона томон,
Кўза кучган маст чол бўлди намоён.
Дедим: Уялмайсан худодан нечун?
Ул деди: Ичавер, худо меҳрибон?

*

Вчера, хмельной, я шел в кабаk по городским руинам;
И пьяный старец в майхане мне встретился с кувшином.
Сказал я: «Бога постыдись. Подумай о душе!»
А он: «Бог милостив! Садись! И выпить помоги нам».

آب زنج نوح و سس ز پاك مير
 جز خون دل تائب ناپاك مير
 خون دوش از تائب بي معنی
 برخاك مير جز برخاك مير

*

Юз шабнамин тўкма, ток — бир келиндай,
 Иркитлар қонини тўкавер, қўрқмай,
 Икки минг бемаъни қонин тўксанг ҳам,
 Тўкмагил тупроққа бирор қултум май.

✽

Не порочь лозы-невесты непорочной виноградской,
 Над ханжою злой насмешкой насмехайся беспощадно.
 Кровь двух тысяч лицемеров ты пролей — в том нет
 греха,
 Но, цедя вино из хума, не разлей струи отрадной.

دېرېږه اسرار كسى راره نيت زېن تعبیه جان پچكس اگ نيت
خسرو دل خاك هېچ ننگه نيت مى خور كه چنين فسانه ناكوته نيت

*

Сирлар пардасига йўл йўқ ҳеч қандоқ,
Ҳеч ким ечган эмас — бу чигал жумбоқ.
Бизларга бирдан-бир манзилдир тупроқ,
Май ич, бу эртаклар узундан-узоқ.

*

За завесу тайн людям нет пути,
Нам неведом срок в дальний путь идти,
Всех один конец ждёт нас... Пей вино!
Будет сказку мир без конца вести!

ای بادہ تو معشوق من شیدانی من میخورم و نترسم از رسوائی
چندان خوری که هر که بیند گوید ای خُم شراب از کجا میسالی

Э май, сен маъшуқа, мен сенга шайдо,
Ичаман, қўрқмайман бўлишдан расво.
Майни шундай ички, кўрганлар десин:
— Э май хуми, қайдан бўлмишсан пайдо?

*

Безумец я, влюблен в вино, ну что ж:
Позора не страшись, пока ты пьешь.
Так много пил я, что прохожий спросит:
«Эй, винный жбан, откуда ты бредешь?»

تنگ است بنام نیک مشهور شدن عار است ز جور چرخ رنجور شدن

خمار بوی آب انگور شدن بهزاند بزید خویش مغرور شدن

*

Уятдир танилсанг, чиқса яхши от.
Дунёдан ранжимоқ жуда ҳам уёт.
Художўй бўлдим деб кеккаймагилу
Узумнинг сувига тўю, учиб ёт.

*

Сегодня имя доброе — позор,
Насилием судьбы терзаться — вздор!
Нет, лучше пьяным быть, чем, став аскетом,
В неведомое устремлять свой взор.

گویند مرا که می تو کمتر غم از این آخر چه عذر بر نداری سر از این

عذر من رخ یار و باد و صبحدم است انصاف بده چه عذر روشنی از این

*

Дейдилар: Шаробни бундан камроқ ич,
Ўзринг не, улфатинг — ичку эрта-кеч.
Узрим, ёр юзи-ю, сахар бодаси,
Ишсоф қил, бундан чўнг узр бўлурми ҳеч.

✽

Вы мне говорите: «Ты хоть меньше пей!
В чем причина страсти пагубной твоей?»
Лик подруги милой, утренняя чаша —
Вот в чем вся причина, нет причин важней.

من ظاهریستی و هستی دامن
 من باطنی هر فرسوزوستی دامن
 باینهمه از دانش خود شرم باد
 گر تر بوی مستی دامن

*

Бор-йўқнинг зоҳири — юзини билдим,
 Баланд-паст илдири — изини билдим.
 Мансаб деб мастликнинг ўзин билмасам,
 Билимим ҳайф кетсин, ўзини билдим.

*

Я знаю всю зримую суть бытия и небытия.
 Все тайны вершин и низин постигла душа моя.
 Но я от всего отрекусь и знаний своих устыжусь,
 Коль миг протрезвления один за век свой припомню я.

جامی است که عقل آفرین تمیزندش صد بوسه ز محضر حسین میزندش

این کوزه گرد هر چنین جام لطیف می سازد و باز بر زمین میزندش

*

Бу жомни кўрганлар офарин дейди,
Юз марта манглайин ўпиб ким тўйди?
Фалак кулолининг қилмишига боқ,
Нозик жом ясади, синдирди — қўйди.

*

Чудо-чаша. Бессмертный мой дух восхваляет ее
И стрократно в чело умиленно лобзает ее.
Почему же художник-гончар эту дивную чашу,
Не успев изваять, сам потом разбивает ее?

زان پیش که غمهاش شبنون آرد برگوی بُت تانی گلگون آرد
توزر نی ای غافل نادان که ترا در خاک نهضند و باز بیرون آرد

*

То ғам бошимизга солғунча ғавғо,
Айтгил, май берсинлар бизга бебаҳо.
Олтин эмассан-ку, билиб қўй, нодон,
Қўмгач қайта ковлаб олмаслар асло.

*

Пока с тобой весна, здоровье и любовь,
Пусть нам дадут вина — багряной грозди кровь.
Ведь ты не золото! Тебя, глупец беспечный,
Однажды закопав, не откапаят вновь.

ساقی غم من بلند آوازہ شدہ است سرستی من برون زاندازہ شدہ است

باموی سپید سر خوشم کز خطا تو پیرانہ سرم بہار دل تازہ شدہ است

*

Соқи, менинг ғамим овоза бўлмиш,
Мастлигим ҳам хўп беандоза бўлмиш,
Мўйсафиду шодмен, чунки хатингдан —
Оқ бошим баҳору дил тоза бўлмиш,

*

Саки! Печалью грудь моя полна.
Без меры нынче выпил я вина.
Пушок твоих ланит так юн и нежен,
Что новая пришла ко мне весна.

گردون كمرى ز عسمر فرسوده است همچون اثرى ز چشم پالوده است

دوزخ شبرى ز رنج بيهوده است فردوس دلى ز وقت آسوده است

*

Шўрлик умримизга чарх сиртмоқ — камар,
Жайхун кўзимизнинг ёшидан асар,
Беҳуда ранжимиз дўзах учқуни,
Жаннат — умримизда тинч бир дам магар.

*

Небо — кушак, что облек изнуренный мой стан,
Волны Джейхуна — родят наших слез океан.
Ад — это искорка наших пылающих вздохов.
Рай — это отдых, что нам на мгновение дан.

ما اهل محسین و شما اهل هشت
 مایه عاشق و شما دیر و کشت
 نقاش حسین به لوح تقدیر هشت
 تقصیر از روز ازل چیست بگوی

*

Бизга маю маъшук, сизга дайр ташвиш,
 Сиз жаннат аҳли-ю, бизга дўзахмиш.
 Азал гуноҳимиз нима, айтинг-чи,
 Тақдир лавҳасида шундай ёзилмиш.

*

Вам — кумирня и храм, нам — кумиры и чаша с вином.
 Вы живете в раю, мы — в геенне горящей живем.
 В чем же наша вина? Это сам он — предвечный
 художник —
 На скрижалях судьбы начертал своим вещим резцом.

از جلد و شکاف این راه دراز باز آمده گو که خبر پرستم باز
 از هزار دین و ورایه از و نیاز چیزی نگذاری که نمیانی باز

*

Бу борса келмас йўл — бу узоқ сафар,
 Қани, ким қайтибди, сўрасак хабар.
 Асрору илтижо айрилишида
 Ҳеч нарса қолдирма, қайтмайсан дигар.

*

В дальний путь караваны идут, бубенцами звенят
 Кто поведал о бедах, что нам на пути предстоят?
 Берегись! В этом старом рабате алчбы и нужды
 Не бросай ничего, ибо ты не вернешься назад.

نادر تن است آتخوان ورك و پي از خان تقدير منس بيرون پي
 گردن من از خشم بود رستم زال منت مكشش اردو ست بود حاتم ملي

*

Танангда бор экан томир, суяк, пай,
 Яшайвер тақдирнинг уйидан чиқмай.
 Ёв Рустам бўлса ҳам бўйингни эгма,
 Миннат чекма дўстинг бўлса Хотам Тай.

*

Из кожи, мышц, костей и жил дана творцом основа нам.
 Не преступай порог судьбы. Что ждет нас — неизвестно
 там.
 Не отступай, пусть будет твой противоборец сам Рустам,
 Ни перед кем не будь в долгу, хотя бы в долг давал
 Хотам.

فصل محباز اگر تری حور شرشت یک ساغری دید مرا بر لب کشت

هر چند بنزد عامه این باشد زشت سگ به ز من است اگر نرم نام زشت

*

Баҳор айёмида гўзал паризод —
Бир коса май бериб, дилим этса шод.
Қишилар наздида хунук бўлса ҳам,
Ит бўлай жаннатни бир бор қилсам ёд.

*

Коль весенней порою, красотою блистая,
Сядет пери со мною, чашу мне наполняя,
У межи шелестящей, золотящейся нивы —
Пусть я буду неверным, если вспомню о рае.

از هر چه بجز نیشی است کوتاهی به می هم زلف بتان خرگاهی به

مستی و قلندری و گمراهی به یک جرعه می ز ماه تا ماهی به

*

Майдан бошқасига қисқа он яхши,
Майни ҳам узатса шўх жонон яхши.
Еру кўкдан ортиқ бир пиёла май,
Бўлмоқ маст, қаландар ҳам сарсон яхши.

*

Лучше в жизни всего избегать, кроме чаши вина,
Если пери, что чашу дала, весела и хмельна.
Опьянение, беспутство, поверь, от Луны и до Рыбы.
Это — лучшее здесь, если винная чаша полна.

هه سبزه که بر کنار جوئی بوده است گویی که خط فرشته خونی بوده است

تأبر سبزه پا بخواری نهیسی کان سبزه ز خاک لاله روی بوده است

*

Арик лабидаги ҳар гиёҳ кўкат —
Малакдай гўзалнинг юзидаги хат.
Бу сабза — лоладек юзлар тупроғи,
Сабзага авайлаб оёқ қўй ғоят.

*

Стебель свежей травы, что под утренним солнцем
блестит,

Волоском был того, кто судьбою так рано убит.
Не топчи своей грубой ногой эту нежную травку,
Ведь она проросла из тюльпановоцветных ланит.

تأشيارم طرب ز من پنجهانست چون مست شدم در خروم تقصانست
 حالی هست میان مستی و شیارى من بنده آن که زندگانی آنست

*

Хушёр бўлсам, мендан хурсандлик йироқ,
 Маст бўлсам, ақлимдан ажрайман бироқ.
 Мастлигу хушёрлик оралиғи бор,
 Ҳаёт шу, унга қул бўлсам яхшироқ.

*

Когда я трезв, то ни в чем мне отрады нет.
 Когда я пьян, то слабеет разума свет,
 Если время блаженства меж трезвостью и опьянением.
 И в этом — жизнь. Я прав иль нет? Дай ответ.

لب بر لب كوزه بروم از عايت آرز
 تازو طلبيم واسطه غم در آرز
 لب بر لب من نصح دو برگفت براز
 من هم چو تو بوده ام دمي با من ساز

*

Лабим қўйиб кўза лабига бир дам,
 Узун умр воситаси талабин қилсам.
 Лабин келтирди-ю лабимга, деди:
 Мен ҳам сендек эдим, бир дам бўл ҳамдам.

*

Я жадно устами к устам кувшина прильнул.
 Как будто начало желанной жизни вернул.
 «Я был, как и ты. Так побудь хоть мгновенье со
 мною», —
 Так глиняной влажной губою кувшин мне шепнул.

برکت می لعل و زلف دلدار بدست بر طوف چمن کند باقبال نشست
می نوشد و از دور فلک نندیشد تا آنکه شود ز باده عشرت مست

*

Кафтида лаълин май, ёнида санам,
Чаманда ўтирса бахт бўлиб ҳамдам,
Май ичиб фалакдан ҳеч емаса ғам,
Ишрат майи кайфин сургай шул одам.

*

С фиалом в руке, с локоном пери — в другой,
Сидит он в отрадной тени, над светлой рекой.
Он пьет, презирая угрозы бегущего свода,
Пска не упьется, вкушая блаженный покой.

افلاک که جز غم نفرایند درگه نهند بجای تا نربایند درگه
 نآیدگان اگر بدانند که ما از دهر چه میکشیم نایند درگه

*

Бизга фалак иши — фақат ташвиш — ғам,
 Бирини тикласа, бошқаси барҳам,
 Ҳали келмаганлар бундан беҳабар,
 Хабар топа қолса келмас эди ҳам.

*

Страданий горы небо громоздит,
 Едва один рожден, другой — убит.
 Но неродившийся бы не родился,
 Когда бы знал, что здесь ему грозит.

خوش آنکه دین زمانه آزاده بریست خرسند بهرچه کش خدا داده بریست

وین یکدم غم را غنیمت بشمار آزاده و با ساده و با باده بریست

*

Хушвақт — ким бу замон озод яшади,
Худо берганларин қўймай ошади,
Қим ғанимат билди бир дам умрни,
Қўлда май, озоду дилшод яшади.

*

Блажен, кто в наши дни вкусил свободу,
Минуя горе, слезы и невзгоду;
Был всем доволен, что послал Яздан,
Жил с чистым сердцем, пил вино — не воду.

تا چنه كنم عرفه ناداني خویش بگرفت دل از بی سرو سامانی خویش

ز نذر این پس میان خواهم بست از شرم گناه و از مسلمانانی خویش

*

Қанчалар арз қилсам мен нодонликдан,
Дил шунча танг бўлур нотавонликдан.
Бундан сўнг бойлайман белимга зуннор,
Уялиб гуноҳу мусулмонликдан.

*

Увы! Мое незнание таково,
Что я — беспомощный — страшусь всего.
Пойду зуннар надену, — так мне стыдно
Грехов и мусульманства моего!

گردگری چگونہ پرواز کنم یا عشق نوی چگونہ آغاز کنم
 یک لحظه سرشک دیدہ می نگذار تا چشم بروی دیگری باز کنم

*

Бошқалар бошидан нечук айланай,
 Ё янги севгини бошлайин қандай.
 Кўзимдан дув оққан ёшим қўймагач,
 Ўзга ёр ҳуснига қандоқ бойланай.

*

Как обратиться мне к другой любви?
 И кто она, о боже, назови.
 Как прежнюю любовь забыть смогу я,
 Когда глаза в слезах, душа в крови!

می خور که فلک بهر پلاک من و تو قصدی دارد بجان پاک من و تو
در سبزه نشین و می روشن میخیز کاین سبزه بسی دمد ز خاک من و تو

*

Чархи фалак бизни этмоқчи ҳалок,
Жон қасдида дилни қилмоқчи чок-чок:
Сабза узра ўлтир, май ич, шод яша,
Ўт бирла қопланар тез бизнинг ҳам хок.

*

Бессудный этот небосвод — губитель сущего всего,
Меня погубит и тебя и не оставит ничего.
Садись на свежую траву, с беспечным сердцем пей вино.
Ведь завтра вырастет трава, о друг, из праха твоего.

دانی زچه روی شهر گشتت چه راه آزادی سرو و سوسن اندر افواه
 کاین دارد ده زبان همیشه خاموش و از است دوصد دایم و لیکن کوتاه

*

Биласанми, савсан ҳам сарв тақдирин,
 Оғизларда дoston бўлганлик сирин?
 Бириси юз тили билан жим турар,
 Бириси юз қўлдан узатмас бирин.

*

Чем прославились в веках лилия и кипарис?
 И откуда все о них эти притчи родились?
 Кипарис многоязык, и цветок многоязык.
 Что ж молчат? Иль от любви самовольно отреклись?



چون مېگنډ عمر چه شیرین چو تلخ پمانه چو پرشد چه نیشاپور و چه بلخ
می نوشت که بعد از من و تو ماه بسی از سلخ به غره آید از غره به سلخ

*

Улар жойинг хоҳ Балх, хоҳи Нишопур —
Аччиқми, чучукми ўтар бу умр.
Май ич, ой осмонда биздан кейин ҳам
Неча марта шом еб, неча бор тўлур.

*

Коль жизнь прошла, не все ль равно — сладка ль,
горька ль она?
Что Балх и Нишапур тогда пред чашею вина?
Пей, друг! Ведь будут после нас сменяться много раз
Ущербный серп и новый серп, и полная луна.

کو محرم راز تا بگویم یک قدم کرگاه نخست خود چه بوده است آدم
محنت زده فی سترشتی از بطن غم یکچند جبهان بگشت و برداشت قدم

*

Қани ул сирдош дўст, сир айтсам бир дам,
Азалда қандайин бўлганди одам:
Жафо-ю қайғудан қорилган лойи,
Бир йўл жаҳон кезиб, тез узди қадам.

*

Есть ли мне друг, чтобы внял моей повести он?
Чем человек был вначале, едва сотворен?
В муках рожденный, замешен из крови и глины,
В муках он жил и застыл до скончанья времен.

هنگام صبح ای پسر فرخ پی بر ساز ترانه و پیش آور می
 بروست بخاک صد هزاران جهم کی این آمدن تیرمه و رستن دی

*

Эрталик пайтида, эй бахтли жонон,
 Май келтир, тарона созлагил чандон.
 Юз минг Жамшид, Кайни тупрокқа тикди —
 Бу фалак ёз кетиб, қиш келар замон.

*

О друг, заря рассветная взошла.
 Так пусть вином сверкает пиала!
 Зима убила тысячи Джамшидов,
 Чтобы весна сегодня расцвела.

آنکه جهان زیر قدم فرسودند و در طلبش سر و جهان پیمودند
 آگاه نیم از آنکه آنان زین پیش از کار چنانکه هست آگه بودند

*

Оламни пиёда кезиб чиққанлар,
 Икки дунё сўзин дилга тукканлар,
 Бизлардан ортиқроқ билдилармикан,
 Жаҳон сирларини бир-бир йиққанлар.

*

Тем, кто несет о неизвестном весть,
 Кто обошел весь мир, — почет и честь.
 Но больше ли, чем мы, они узнали
 О мире, о таком, каков он есть?

توکی ز چراغ مسجد و دود کشت تا چند زبان دوزخ و سود بهشت
 بر لوح قضا نگر که از دور ازل استاد هر آنچه بود فی بود بهشت

*

Токай бутхона-ю масжиддан дейсан,
 Токай жаҳаннаму беҳиштан дейсан?
 Тақдир лавҳасин кўр, қалам устоди —
 Бўлар ишнинг барин ўшанга чеккан.

*

Доколе дым кумирни прославлять,
 О рае и об аде толковать?
 Взгляни на доски судеб — там издревле
 Написано все то, что должно стать.

زان بادو که عمر را حیات دگر است پرکن قدحی گرچه ترا در دهر است
 بر نه به کفتم که کار عالم سمر است بشتاب که عمر هر وی در گذر است

*

Ҳаётга ўзга тус бергувчи шароб —
 Келтир, қадаҳга қуй, бўлса ҳам азоб,
 Қўлга бер, оламнинг ишлари хуноб,
 Ҳар нафас умр ўтар, айлагил шитоб.

*

Пусть эта пиала кипит, сверкает
 Живым вином, что жизнь преображает.
 Дай чашу! Все известно, что нас ждет.
 Спеши! Ведь жизнь всечасно убегает.

دوری که در او آمدن و رفتن ماست آنرا نه نهایت نه بدایت پیداست
 کس هیچ گفته است این معنی را کاین آمدن از کجا و رفتن بکجا است

*

Биз келиб кетувчи тўгарак жаҳон,
 На боши маълуму на сўнги аён.
 Ҳеч кимса ростини айтиб беролмас;
 Биз қайдан келдигу кетурмиз қаён.

*

Чья рука этот круг вековой разомкнет?
 Кто конец и начало у круга найдет?
 И никто не открыл еще роду людскому —
 Как, откуда, зачем наш приход и уход.

چون ابر بنور و زرخ لاله بشت
 برخیز و بجام باده کن عزم در ست
 کاین سبزه که امروز تماشا گشت
 فردا همه از خاک تو بر خواهد گشت

*

Лола юзин ювди ёғингар кўклам,
 Лиммо-лим қадаҳга қўл узат бардам.
 Букун сен сайр этган ушбу кўкатлар
 Эрта тупроғингдан унар жамулжам.

*

Только ливень весенний смочет ланиты тюльпана.
 Встав с утра, ты прильни к пиале с этой влагою пьяной.
 Ведь такая ж трава, что сегодня твой радует взгляд,
 Через век прорастет из тебя в этом мире обмана.

بر خود ستم و ریج نهادن بیجاست از سهمی خود فروزن نمیباید خواست
 آنچه از ازلت بنام ننوشته شده است آنست ترا بهره بدون کم و کاست

*

Беҳуда ўзингга айлама ситам,
 Улушингдан ортиқ тиламагил ҳам.
 Азалдан помингга нима ёзилса,
 Ўша сенинг баҳранг, бўлмас ортиқ — кам.

*

Зачем себя томить и утруждать,
 Зачем себе чрезмерного желать.
 Что предначертано, то с нами будет.
 Ни меньше и ни больше нам не взять.

چون آگهی ای دوست زیر اسراری چندین چه خوری به سینه بیماری
چون می نرود باختیارت کاری خوش باش درین دمی که هستی باری

*

Ҳар сирдан огоҳсен, эй дӯстим, сен ҳам,
На учун беҳуда чекасан алам.
Ихтиёринг билан юришмас ҳеч иш,
Хурсанд бўл, тириксен, сеники бу дам.

*

Все тайны мира ты открыл... Но все ж
Тоскуешь, втихомолку слезы льешь,
Все здесь не по твоей вершится воле.
Будь мудр, доволен тем, чем ты живешь.

این چرخ که با کسی نمیگوید راز گشته بهستم هزار محسوس و ایاز
می خور که نبخشند بلبس عمر دراز و آنکس که شد از جهان میاید باز

*

Бу чарх ҳеч кимсага сўйламайди роз,
Ситамидан ўлди минг Маҳмуд, Аёз,
Ичавер! Ҳеч кимда йўқ умри боқий,
Дунёдан кетганлар қайтиб келмас боз.

*

И опять небосвод неразгаданной тайной зажжется...
От коварства его ни Махмуд, ни Аяз не спасется.
Пей вино, ибо вечная жизнь никому не дана.
Кто из жизни ушел, тот, увы, никогда не вернется.

گویند ترا بهشت با حور خوشست من میگویم که آب انگور خوشست

این نقد بگیر و دست از آن نسیه بتروی کاوان و دهل شنیدن از دور خوشست

*

Дерлар: жаннатда ҳур бўлмоғи яхши,
Менга узум сувин булоғи яхши.
Чунки насьясидан нақдроғи яхши,
Ноғора товушин узоғи яхши.

*

Гласит завет: «Прекрасен рай с любовью девы
неземной».
А я в ответ: «Отрадней мне здесь виноградный сок
хмельной».
Бери наличность, откажись от неналичного расчета.
Приятен только издали тревожный барабанный бой.

خوش باش که غصه بیکران خواهد بود در چرخ قران اختران خواهد بود

خشتی که ز خاک تو بخواهند زدن دیوار سرای دیگران خواهد بود

*

Хушвақт бўл, ғуссанинг чеки йўқ бир он,
Бу чарх юлдузларга солади қирон.
Сенинг тупроғингдан ясалган гиштлар
Бўлар ўзгаларга манзилу макон.

*

Будь весел! Море бедствий бесконечно.
Круговорот светил пребудет вечно.
Но завтра ты пойдешь на кирпичи
У каменщика под рукой беспечной.

مايىم خىرىدارى كىمىدۇ نو وانگاھ فروشندە عالم بد و جو
گفتى كه پس از مرگ كجا خواهى رفت مى پيش من آر ، هر كجا خواهى روى

*

Эски, янги майга биз-ку харидор,
Оламни бир донга сотишга тайёр.
Мен ўлиб кетарда «Қайға»? деб сўрма,
Май беру хоҳлаган жойингга юбор.

*

Мы сперва покупаем вино молодое,
За два зернышка все уступаем земное.
Ты спросил: «Где ты будешь — в аду иль в раю?»
Дай вина и оставь меня, братец, в покое.

ای دیہر نطلمہای خود مسترفی در خانقہ جو رستم مستکفی
 نعمت بہ خسان دہی و نقمہ یکسان زین ہر دو برون نیست خری یا خرفی



Ўзингга маълумдир, эй даҳр, ситаминг,
 Ситам чодирیدا ўтар ҳар даминг.
 Ёмонга неъмату яхшига кулфат,
 Ёвмисан ё эшак? Бу не аламинг?!



О судьба! Ты насилье во всем утверждаешь сама.
 Беспределен твой гнев, как тебя породившая тьма.
 Благо подлым даришь ты, а горе — сердцам
 благородным.
 Иль ты не способна к добру, иль сошла ты с ума?

ای دل چو حقیقت جهانست مجاز چندین چه خوری اندوه و هم رنج دراز
تسلیم قضا شو به کم و بیش بساز کاین فتنه قلم ز بهر تو ناید باز

*

Жаҳон ҳақиқати мажоздир, э дил,
Бехудага ранжу андуҳ чекмагил.
Қазога таслим бўл, кўп-озига кўн,
Қазо қаламравин ўзгармас деб бил.

*

Если истина в мире условна, что ж, сердце губя,
Предаешься ты скорби, страданья свои возлюбя.
С тем, что есть, примиришь, о мудрец. То, что вечным
каламом
Предначертано всем, не изменится ради тебя.

مايم بلاك از غم بخت برانت هر چاي شوي دست من و دامن
 رفتي و هزار دل بلاك از غم هست باز آيدي و هزار دل قربانت

*

Мени ҳалок этмиш ғами ҳижронинг,
 Эгагингни тутдим кетган замонинг.
 Кетдингу ғамингдан минг кўнгил ўлди,
 Қайтдинг, яна минг жон бўлди қурбонинг.

*

Я мук разлуки нашей не забуду.
 Ищу тебя, невольно веря чуду.
 Ты к страждующим покинутым вернись!
 И в сонме душ твоей я жертвой буду.

راز از همه ناکسان نهان باید داشت و اسرار نهان را ببلهان باید داشت
بزرگه بجان مردمان می چه کنی چشم از همه مردمان پنهان باید داشت

*

Нокасдан сир беркит, тилингни боғла,
Аблаҳдан яширин бўлмоқни чоғла.
Кишилар жонига ўз қилмишин кўр,
Сен ҳам шунга кўз тут, шуни сўроғла.

*

С людьми ты тайной не делись своей.
Ведь ты не знаешь, кто из них подлей.
Как сам ты поступаешь с божьей тварью,
Того же жди себе и от людей.

هر دل که ايمر محنت اوست شست هر سر که غبار سر آن کوست شست
 از دوست بناوک غم آزرده مشو خوش باش که هر چه آيد از دوست شست

*

Дил унинг дардига тўлса яхшидир,
 Бош — йўлин тупроғи бўлса яхшидир.
 Ғам тиғин дўст отса, унга ранжима,
 Ҳар нарса дўстингдан келса яхшидир.

*

Я красоты приемлю самовластье.
 К ее порогу сам готов припасть я.
 Не обижайся на ее причуды.
 Ведь все, что от нее исходит, — счастье.

ما عاشق و اشفته و ستيم امروز در کوی بتان باوه پرستيم امروز
 از هستی خویشتن بکلی رسته پیوسته بدرگاه الستيم امروز

Букун биз — ошиқлар ошифта-ю маст,
 Санамлар кўйида хўп бодапараст,
 Тамом халос бўлиб ўзлимиздан,
 Нақ арши аълога бўлибмиз пайваст.

*

Влюбленные, пьяные — вновь мы без страха
 Вину преклоняемся, вставши из праха.
 И, сбросив, как рубище, плен бытия,
 Сегодня вступаем в чертоги аллаха.

گویند بهشت و حور عین خواهد بود آنجای ناب و انگبین خواهد بود
 گرمای و عشق پرستیم رو است چون عاقبت کار همین خواهد بود

*

Жаннатда ҳам ҳуру ҳам май бўлармиш,
 Ҳаммаси мўл-кўлу мўмай бўлармиш,
 Биз маю маъшукни севсак арзийди,
 Чунки оқибат ҳам шундай бўлармиш.

*

Ты учишь: «Верные в раю святом
 Упьются лаской гурий и вином».
 Какой же грех теперь в любви и пьянстве,
 Коль мы, в конце концов, к тому ж придем?

گردست و پدز مغز گندم نانی وز می دو منی ز گوشت پندی رانی

بادلبر کی نشسته در ویرانی عیشی است که نیست حد هر سلطانی

*

Қўлимизда бўлса оқ буғдой дони,
Бир коса шаробу қўйнинг бир сони,
Дилбар билан майли вайронадамиз,
Бу айшни тополмас жаҳон султони.

*

Коль раздобуду я вина два мана,
Лепешку, и жаркое, и барана
И с милой средь руин уединюсь, —
То будет пир, достойный лишь султана.

از من چو برفت جان پاک من و تو خشتی دو نمهند بر مغاک من و تو

والگاہ برای خشت گور دیگران در کالبدی کشند خاک من و تو

*

Жонимиз бу танни тарк этиб кетар,
Икки гишт гўримиз кўзин беркитар.
Қейин бошқа гўрга гишт қуймоқ учун
Бизнинг тупроқларни эзиб лой этар.

*

Когда наши души уйдут, с телами навек разлучась,
Из праха умерших давно построят надгробье для нас.
И долгие годы пройдут, и правнуки наши умрут,
Пойдем на надгробье для них и мы, в кирпичи
превратясь.

گویند ہر آنکسان کہ با پرہیزند ز انسان کہ ہمیں چنان برخیزند
 ماہامی و معشوق از آنیم مدام باشد کہ بحرمان چنان انگیزند

*

Дейдилар, ким қилса тоат-ибодат,
 Қандай ўлса, шундай уйғонур албат.
 Доимо маю ёр билан биргамен,
 Мен шундоқ тирилгум бўлса қиёмат.

*

«Те, что живут благочестиво, — имамы говорят, —
 Войдут такими же, как были, в господень райский сад».
 Мы потому не расстаемся с возлюбленной, с вином, —
 Ведь, может быть, как здесь мы жили, так нас и
 воскресят.

ای چرخ فلک خرابی از کیند تست بیدادگری شیوه دیرینه تست
وی خاک اگر سینه تو بشکافند بس گوهر قیمتی که در سینه تست

*

Эй фалак, доимо ҳунаринг бузмоқ,
Эскидан одатинг зулм кўргузмоқ.
Ер! Агар бағрингни ёриб кўрсалар,
Чиқарди қанчалаб инжу ялтироқ.

*

Небосвод! Лишь от злобы твоей наши беды идут.
От тебя справедливости мудрые люди не ждут.
О земля! Если взрыть глубину твоей груди холодной,
Сколько там драгоценных алмазов и лалов найдут!

گویند که دوزخی بود مردم مست حریت خلاف و دل دراوت توان
گر عاشق مست دوزخی خواهد بود فردا نگرى بهشت را چون کعبه است

*

Мастлар дўзахийдир, деб айтсалар, сиз
Бу хилоф сўзларга кўнгил бермангиз,
Ошиқлару, мастлар дўзахга тушса,
Жаннат кафтдек тақир қолғуси сўзсиз.

*

«Всех пьяниц и влюбленных ждет геенна».
Не верьте, братья, этой лжи презренной!
Коль пьяниц и влюбленных в ад загнать,
Рай опустеет завтра ж, несомненно.

این کار که بس خوش پرداخته اند
 بگفته و در رنجذر انداخته اند
 نصار بر او قدم بخواری نهی
 کاین کاره ز کاره های سر ساخته اند

*

Бу коса ясалмиш гўзал — ялтироқ,
 Чил-чил қилиб йўлга ташланмиш, бироқ,
 Зинҳор уни босиб хор айламагил,
 Бу коса аслида чанок, бош чанок!

*

По краям этой чаши прекрасной вились письма,
 Но разбита и брошена в пыль на дороге она.
 Обойди черепки осторожно. Была ведь, быть может,
 Эта чаша из чаши прекрасной главы создана.

آنانكه بكار عقل در ميكوشند هيچات كه جمله گاونر ميدهوشند

آن بيه كه لباس ابلهجي درپوشند كامروز به عقل تره مي نفروشدند

*

Ҳар ким ақл сўзига соларкан қулоқ,
Чиндан, оқибатда бу ҳўкиз соғмоқ!!!
Ғўр ақлинг зўр келиб май сотмаяпсан,
Аблаҳлик тўнини кий, шу маъқулроқ!

*

Зачем ты пользы ждешь от мудрости своей?
Удоя от козла дождешься ты скорей.
Прикинься дураком — и больше пользы будет.
А мудрость в наши дни дешевле, чем порей.

خایام، برای کنه این ماتم چیست وز خوردن غم فایده بیش و کم چیست
گریه کن نباشدی غفران چیست غفران ز برای کنه آمد غم چیست

*

Хайём, гуноҳим деб мотам нечун, хӯш?
Фойдасиз, кӯпми — оз бу ғам нечун, хӯш?
Гуноҳни кечишга карами бор-ку,
Ҳеч гуноҳ бўлмаса, карам нечун, хӯш?

*

Зачем, о грехах вспоминая, Хайям, убиваешься ты?
О грешник, иль в милости божьей душой сомневаешься ты?
Коль не было бы грехов, то не было бы и прощенья.
Прощенье живет для греха. Так о чем сокрушаешься ты?

وقت سحر است خیز ای مایه ناز نرمک نرمک باده خور و جنگ نواز

كانها كه بجایند نیایند بسی وانها كه شدند كس نمی آید باز

❦

Тонг чоғида тургил, нозанин гўзал,
Майдалаб ичайлик, рубобингни чал.
Дунёда бор одам узоқ турмайди,
Кетганлар ҳам қайтиб келмас ҳеч маҳал.

*

Эй, неженка, открой навстречу утру взгляд,
И пей вино, и пой, настроив струнный лад.
Ведь кто сегодня жив, тот завтра будет взят,
А кто ушел навек, тот не придет назад.

درپای اجل چون سرافکنده شوم از دست اجل چو مرغ پرکنده شوم
 ز نغمه گلیم جز صراحی مکنید شاید که چوبوی می رسد تنده شوم

*

Ажал бош эгдирса, бўлмаса чора,
 Дастидан тану дил бўлса юз пора,
 Тупроғимдан фақат кўза ясангиз,
 Майнинг бўйи тегиб, тирилсам зора.

*

Когда смерть меня схватит, задора полна,
 Как меня, словно птицу, ошиплет она,
 Вы из персти моей смастерите кувшин.
 Может быть, оживит меня запах вина.

چون درگذرم بیاده شوئید مرا تلقین ز شراب ناب گوئید مرا
خواهید بروز شریابید مرا از خاک در میگذرد جوئید مرا



Мен ўлсам май бирла ювишни кўзланг,
Иўқлавда жом бирла шаробдан сўзланг.
Қиёмат кунда топмоқ бўлсангиз,
Майхона тупроғин тубидан изланг.



Чтоб обмыть мое тело, вина принесите,
Изголовье могилы вином оросите.
Захотите найти меня в день воскресенья, —
Труп мой в прахе питейного дома ищите.



گویند مخموری که بلا کشی باشی در روز مکافات در آتش باشی
 حقست ولی بجز دو عالم ارزو یکدم که تراز شراب سرخوش باشی

*

Май ичма дейдилар, ортар фиғонинг,
 Қиёматда дўзах бўлур маконинг.
 Бу ҳақ, аммо арзир икки жаҳонга —
 Май ичиб, ширакайф бўлган бир онинг.

*

Мне говорят: «Не пей, чтоб не попасть в беду,
 Иначе в Судный день очутишься в аду».
 Пусть так, но я отдам за чашу оба мира
 И допьяна упьюсь, и пьяный в гроб сойду.

ما لعبتگانیم و فلک لعبتبار
 از روی حقیقت نه که از روی مجاز
 بازیچه همی کنیم بر نطسج وجود
 اقیم به صندوق عدم یک یک باز

*

Бизлар қўғирчоғу, фалак қўрчоқбоз,
 Бу сўзим чин сўздир, эмасдир мажоз.
 Иўқлик сандуғига бир-бир тушамиз,
 Вужуд палосида ўйнагач бир оз.

*

Кто мы? Куклы на нитках, а кукольник наш — небосвод.
 Он в большом балагане своем представление ведет.
 Он сейчас на ковре бытия нас попрыгать заставит,
 А потом в свой сундук одного за другим уберет.

مرغی دیدم نشسته بر باره ظوس در پیش نهاد کله کیکاوس
 ایا کله همی گفت که افسوس افسوس کو بانگ جرسها و کجا ناله کوس

*

Тушда бир қуш кўрдим саҳар палласи,
 Ўнгида ётарди Ковус калласи.
 Қуш унга қараб дер: Оҳ, афсус, афсус,
 Қани қўнғироқлар, ногора саси.

*

Увидел птицу я среди руин твердыни
 Над черепом царя, валявшимся в пустыне,
 И птица молвила: «Ты ль это, Кей-Кавус?
 Где гром твоих литавр? Где трон и меч твой ныне?»

گر زانکه بدست آید از می دوستی مینوشش بر جمع و جسر انجمنی
 کائنات که جهان ساخت فراغت یارو از سببست چون تویی وریش چوینی

Топилса икки жом майни қўлга ол,
 Ҳар қандай даврада ичгил бемалол,
 Керак эмас ахир, яратганга ҳеч
 На сендек мўйлабу, на мендек соқол.

*

Достав вина два мана, не жалей —
 Сам пей и вдоволь угощай друзей.
 Ведь не нуждается создатель мира
 В твоих усах и в бороде моей.

ای چرخ دلم همیشه غمناک کنی پیرا بن فرخی سن چاک کنی
بادی که بمن وزد تو آتش کنی اش آبی که خورم در دهنم خال کنی

*

Фалак, кўнглим доим ғамнок қилурсан,
Қувончим кўйлагин чок-чок қилурсан.
Менга эсан елдан оташ уфуриб,
Сув ичсам, оғзимда тупроқ қилурсан!

*

О небосвод! Что ты сердце мое огорчаешь?
Счастья рубаху на мне ты в клочки разрываешь.
Делаешь северный ветер дыханьем огня,
Воду в моей пиале ты в песок превращаешь.

چندین غم مال و حسرت دنیا چیست هرگز دیدی کسی که جاوید نیست
 این چند نفس در تن تو عاریتی است با عاریتی عاریتی باید نیست

*

Мол-дунё ҳасрати қилмасин афгор,
 Мангу яшар киши қани, қайда бор?
 Бир неча нафасинг танда амонат,
 Амонатга амонат бўлмоқлик даркор.

*

Зачем копить добро в пустыне бытия?
 Кто вечно жил средь нас? Таких не видел я.
 Ведь жизнь нам в долг дана, и то — на срок недолгий,
 А то, что в долг дано, не собственность твоя.

يک دست به صحيفيم و يک دست بجام
 که مرد حلاليم و گهی مرد حرام
 مايم دين گنبد فيروزه رخام
 نه کافر مطلق نه مسلمان تمام

*

Бир қўлда қуръону, биттасида жом,
 Баъзида ҳалолмиз, баъзида ҳаром.
 Фируза гумбазли осмон тагида
 На чин мусулмонмиз, на кофир тамом.

*

Одна рука — на коране, другая — на чаше пирова.
 То мы — благочестивы, то нет для молитвы слов.
 Под этим мраморным сводом, в эмалевой бирюзе
 Кто мы — мусульмане, кяфиры? Не ясно, в конце
 КОНЦОВ.

پیش از من و تو لیل و نهار بودست گردنده فلک بر سر کاری بودست

زینهار قدم بخاک آهسته تنهی کان مرد مک چشم نگاری بودست

*

Сен, мендан олдин ҳам тун-кун бор эди.
Айланган фалак ҳам бутун бор эди.
Тупроққа авайлаб қадамингни қўй,
Бу тупроқ қора кўз бир нигор эди.

*

Ведь задолго до нас ночь сменялась блистающим днем,
И созвездья всходили над миром своим чередом.
Осторожно ступай по земле! Каждый глины комок,
Каждый пыльный комок был красавицы юной зрачком.

زان کوزه می که نیست در وی خری مینوشش یکی قدح بمن ده دگری
زان پیش که روزگار در ریزد خاک من و تو کوزه کند کوزه گری



Бир кўза май келтир, бўлсин безарар,
Ўзинг ич, менга ҳам узат баробар.
Даврон ўз изидан айланиб, охир —
Тупроғимиз кўза қилур кўзагар.



Друг, из кувшина полного того
Черпни вина, мы будем пить его,
Пока гончар не сделает кувшина
Из праха моего и твоего.

برخیزد لاکه چنگ بر چنگ ز نیم می نوش کنیم و نام برنگ ز نیم
 سجادہ بیک پیالہ می بفروشیم وین شیشہ نام ونگ برنگ ز نیم

*

Тур, э дил, чанг чалиб базм қурайлик,
 Ичиб, ёмонликка номни бурайлик.
 Сотиб жойнамозни пиёла майга,
 Риё шишасини тошга урайлик.

*

Сердце, воспрянь! Мы по струнам рукой проведем,
 Доброе имя уроним с утра за вином.
 Коврик молитвенный в доме питейном зложим,
 Склянку позора и чести, смеясь, разобьем.

خوش باش که ماه عید نو خواهد شد و اسباب طرب همه نگو خواهد شد
 مه لاغر و زرد و غم شدت ازستی ناچار ازین رنج فرس خواهد شد.

*

Хушвақт бўл, келмоқда ҳайит айёми,
 Шай бўлғуси бутун қувонч анжоми,
 Сустликдан ой сариқ, озғин ва синиқ,
 Вақтида бу дардлар битар тамоми.

*

Будь весел, праздник вновь прославлен будет,
 Пирь начнутся, пост оставлен будет.
 Ущербный месяц тощ. День, два пройдет —
 И он от всех невзгод избавлен будет.

در عشق تو از ملاسم تنگی نیست بایخسبران دین سخن جگر نیست
این شربت عشق داروی مرد نیست نامردانرا ازین قدح رنگی نیست

*

Ишқингдан йўқ менга ору маломат
Ишқдан беҳабарга қилмам ишорат.
Бу ишқ шаробидир мардларга дори,
Номардларга насиб бўлмас бу роҳат.

*

В любви к тебе не страшен мне укор,
С невеждами я не вступаю в спор.
Любовный кубок — исцеленье мужу,
А не мужам — паденье и позор.

اینگونه که من کار جھان می بینم عالم همه را یگان بر آن می بینم

سبحان الله بچه در منگرم نا کامی خویشتن در آن می بینم

*

Жаҳон ишин алвон-алвон кўрамен,
Оламни тез ўтар бир он кўрамен,
Худо ҳаққи, қайга назар ташламай,
Шунда бахтсизлигим аён кўрамен.

*

Все этого пестрого мира дела, как я вижу,
Презренны, никчемны, исполнены зла, как я вижу,
Что ж, слава творцу! Это дом, что я строил всю жизнь,
Невежды сожгут и разрушат дотла, как я вижу.

تاوست با اتفاق در هم نزنیم پانی به نشاط بر سر هم نزنیم
 پیش از که صبح دم سبوی بزنیم کاین صبح بسی دند که ما دم نزنیم

*

Қўлни қўлга бериб, бўлмасак ҳамдам,
 Шодлик оёғидан тепки емас ғам.
 Тонг чоғида туриб, сахарлик май сун,
 Жуда кўп тонг отар биздан кейин ҳам.

*

Друзья, дадим обет быть вместе в этот час,
 В веселье на печаль совместно ополчась,
 И сядем пить вино сегодня до рассвета!
 Придет иной рассвет, когда не будет нас.

دارنده چو ترکیب طبایع آراست از بهر چه او فکندش اندر کم و کاست

گزینک آمد شکستن از بهر چه بود ورنیک نیاید این صور عیب گزست

*

Табиат тартибин яратиб оллоҳ,
Нечун чил-чил қилиб отади, эвоҳ.
Яхши бўлса нега парчалар уни,
Ёмон бўлганида, айт, кимда гуноҳ?

*

Ты формы отлива людей сотворил издавна.
Что ж наша природа различных изъянов полна?
Коль форма из глины прекрасна, зачем разбивать,
А если плоха эта форма, чья в этом вина?

چون روزی و عمر پیش و کم نتوان کرد خود را به کم و بیش درم نتوان کرد
کار من و تو چنان که رای من نسبت از موم بدست خویش هم نتوان کرد

*

Ризқингни ошиғу кам қилиб бўлмас,
Оз-кўп деб кўнгилга ғам қилиб бўлмас.
Бу ишлар сен-менинг қўлимиздаги
Мум эмас-да, эзиб ҳам қилиб бўлмас.

*

Ни увеличить нам нельзя, ни приуменьшить свой удел.
Не огорчайся же, мудрец, из-за пустых иль важных дел.
Увы, я к выводу пришел: твоя ль судьба, моя ль судьба —
Не воск в руках. Никто досель придать ей форму не сумел.

هست نیک و بدی که در نهاد بشر است شادی و غمی که در قضا و قدر است

با چرخ مکن حواله کاندере عقل چرخ از تو هست زار بار حیا تر است

*

Киши ўзлигидан яхши, ёмон ҳам,
Қазову қадару қувонч ёки ғам.
Ақл айтур буларни чархга тўнкама,
Чарх сендан ожизроқ бечора-ю, кам.

*

Все: и зло, и добро, что людская скрывает природа,—
Высшей воле подвластно, и здесь не дана нам свобода.
Ты вину своих бедствий не сваливай на небосвод,
В сто раз хуже, чем твой, подневольный удел небосвода.

این چرخ چو طاسی است گون افتاد؛ دروی همه زیر کان زبون افتاده

در دوستی شیشه و ساغر نگرید لب بر لب و در میان خون افتاده

*

Тўнкарилган жомдай кўринар осмон.
Остида забундур кимки билафон.
Шиша-ю қадаҳнинг дўстлигини кўр,
Лаб қўйиб ўпишар, ўрталикда қон.

*

Посмотри на стозвездный опрокинутый небосвод,
Под которым мудрейшие терпят насилье и гнет.
Посмотри на лобзание любви пиалы и бутыли —
Как прильнули друг к другу, а кровь между ними течет.

ایدل همه اسباب جهان خواسته گیر
باغ طربت بسبزه آراسته گیر

وانگاه بر آن سبزه شبی چون شبنم
بنشسته و باد بر خاسته گیر

*

Эй дил, бил, ҳар нима тансиқ жаҳонда,
Шодлик боғин кўкат безар ҳар ёнда.
Кечқурун кўкатга шабнам сингари
Бир қўндингу учиб кетдинг азонда.

*

Эй, сердце, собери, что нужно в этом мире,
Пусть только радости лужайка будет шире.
Садись росой на луг зеленый ввечеру,
А поутру вставай, всю ночь пробыв на пире.

در عالم جان بهوش میباید بود در کار جهان خموش میباید بود

تا چشم و زبان و گوش برجا باشد بی چشم و زبان و گوش میباید بود

*

Дил мулкида бўлмоқ керак хўп ҳушёр,
 Жаҳон ишида-чи, беуну бекор.
 Икки кўз, тил, қулоқ омон чоғида
 Кўз, тил ва қулоқсиз бўлмоқлик даркор.

*

Ты, счет ведущий всем делам земным,
 Среди невежд будь мудрым, будь немым.
 Чтоб сохранить глаза, язык и уши,
 Прикинься здесь немым, слепым, глухим.

می خوردن و کرد نیسکوان گردیدن به زانکه بزرق زاهدی ورزیدن

گر عاشق و مست دوزخی خواهد بود پس روی بهشت کس نخواهد دیدن

*

Май ичиб, яхшилар қўрин қуршамоқ —
Суфийваш жаврашдан минг бор яхшироқ.
Агар ошиқу маст дўзахий бўлса,
Жаннат бетин ҳеч ким кўрмасди ҳеч чоқ.

*

Уж лучше пить вино и пери обнимать,
Чем лицемерные поклоны отбивать.
Ты нам грозишь, муфтий, что пьяниц в ад погонят,
Кому ж тогда в раю за чашей пировать?

ایام جوانی است شراب اولیتر باروی نکو باد و ناب اولیتر

این عالم فانی که خوابست و خیال از باد و دروست و خراب اولیتر

*

Ёшлик айёмида шароб авлороқ,
Тоза май ҳам юзи моҳтоб авлороқ,
Тушдир, харобадир бу фоний дунё,
Бўлмоқ бунда масту хароб авлороқ.

*

Ты полон бодрой силой — пей вино,
С прекрасноликой милой — пей вино.
Мир этот бранный — темные руины.
Забудь, что есть и было, — пей вино.

تا چند امیر زنگ و بوخواهی شد تا کی پی هر زشت و نکوخواهی شد
 گر چشم زمزمی و گر آب حیات آخر بدل خاک نهان خواهی شد

*

Токай рангу буйига асир бўлурсен,
 Яхши — ёмонни деб, дилгир бўлурсен.
 Хоҳ замзам суви-ю, хоҳ оби ҳаёт,
 Охир ерга кириб, тақир бўлурсен.

*

Доколе быть в плену румян и благовоний,
 За тленной красотой и мерзостью в погоне?
 Будь родником Замзам, ключом Воды Живой, —
 В свой срок ты скроешься в земном глубоком лоне.

یک جام شراب صد دل و دین ارزد یک جرعه می ملکست چین ارزد
جرز بادۀ لعل نیست در روی زمین قنچی که هزار جان شیرین ارزد

*

Бир жом шароб арзир юз дилу динга,
Бир қултум май арзир давлати Чинга.
Дунёда бодадан яхши ёқут йўқ,
Аччиғи арзийди жондай ширинга.

*

Ста сердце и ста вер дороже чаша одна.
Все китайское царство не стоит глотка вина.
Что еще есть на свете, кроме вина цвета лала?—
Только скорбь, что вся радость земли усладить не
вольна.

هر صبح که روی لاله شبهم گیرد بالای شفش در چمن خشم گیرد
 انصاف مرا ز غنچه خوش میآید کو دامن خوشتن فراهم گیرد

Эрта тонг лолага шабнамки тегар,
 Чаманда бинафша буйнини эгар.
 Рост айтсам, ғунчадан жуда розимен,
 Чунки у кўтармас на этак, на бар.

В час, когда увлажнятся тюльпаны вечерних полей
 И фиалки наклонятся, став от росы тяжелей, —
 Только те мне по нраву цветы, что от сырости ночи
 Подбирают ревнивые полы одежды своей.

پیری سرو برگ ناصوابی دارد گلزار غم پر رنگ آبی دارد

بام و در و چاررکن دیوار وجود ویران شده و رو بخیالی دارد

*

Қариликдан бошда не чоғлиқ бало,
Еноғим гулнори — ҳозир каҳрабо.

Вужудим том, эшик ва тўрт устуни
Бузилган, нураган, хароб, бедаво.

*

С древа старости желтый последний слетает листок,
Посинели гранаты увядших и сморщенных щек.
Крыша, дверь и четыре подпорки стены бытия
Угрожают паденьем. Настал разрушения срок.

روزی که گذشتت از و یاد مکن فردا که نیامدست فریاد مکن

همانده و گذشته نبیسا مکن خوش باش کنون و غم بر یاد مکن

*

Кечаги кунингни айламагил ёд,
Эртанг келмай туриб, этма кўп фарёд.
Ўтган, келмаганга қайғурмоқни қўй,
Қувноқ бўл, умрингни қилмагил барбод.

*

Напрасно не скорби о бывшем дне,
Не думай о ненаступившем дне.
Не расточай свой век, живи сегодня,
Вот в этом, небо озарившем дне,

بيشيار نبوده ام دمی تابستم گرچه شب قدر باشد انهم مستم
 لب لب جام و سینه پرینه خم تا روز بگردن حسرتی دستم

*

Дунёга келибмен, бўлдим доим маст,
 Кадр кечаси ҳам мен масту аласт.
 Лабим жом лабида, қучоғимда хум,
 Тонг отгунча қўлим кўзага пайваст.

*

Я не был трезв ни дня, я не таю.
 Я опьянен всегда: в ночь Кадр я пью,
 Уста — к устам фиала; до рассвета
 Рукою шею хума обовью.

گر می نخوری طعمه مزین مستانرا بنیاد مکن توحید و دستانرا

توغسره بدان مشو که می نخوری صد لقمه خوری که می غلام است آنرا

*

Мастни таъна қилма, ичмасанг соғар,
Ғийбат — дoston қилма, бўлма ҳийлагар
Кеккая кўрма ҳеч май ичмайман деб,
Сенинг қилмишларинг бундан бешбаттар.

*

Ты не бываешь пьяным? Но пьяных не упрекай!
Ты не живи обманом, низостей не совершай!
Ты предо мной возгордился тем, что вином не упился?
Трезв ты, но полон скверны, и скверна бьет через край!

می خور که ترا بخیر از خویش کند خون در دل دشمن بداندیش کند
 هشیار بدن چه سود دارد جز آنکه زندیش پیاپی دل تو ریش کند

*

Май ичсанг, ўзингдан беҳабар қилур,
 Ёвингни ер билан баробар қилур.
 Ҳушёрлик фойдасиз, оқибат ғами
 Дилни ўртай-ўртай яралар қилур.

*

Пей вино, лишь оно одно забвенье тебе принесет,
 Душу врага лишь оно смятением потрясет.
 Что пользы в трезвости? Трезвость — источник мыслей
 бесплодных.
 Все в этом мире — смертны, и все бесследно пройдет.

ماغرقة زبد بر سر خشم کردیم وز خاک خرابات تیر خشم کردیم
 باشد که ز خاک میکده در یابیم آن عمر که در میکده هلاکم کردیم

*

Жанда тўнни хумнинг оғзига ёпқум,
 Харобат гардига қилдик таяммум.
 Майхона хокидан топармиз ҳаёт,
 Чунки ҳаётимиз шунда бўлди гум.

*

Мы дервишеским рубищем жбан затыкали,
 Омовенье землею трущоб совершали.
 Может быть, и отыщем в пыли погребка
 Жизнь, которую мы в погребках потеряли?

استر اجهلان چنانکه در دفتر است گفتن نتوان که آن و پال سر است

چون نیست در این مژدم نادان ایلی نتوان گفتن هر آنچه در خاطر است

*

Жаҳон сирӣ бўлсин дил дафтарида,
Очсанг бошга бало эл назарида,
Дилдаги ҳар гапни айтиб бўлмайди,
Сен бу нодонлардан турғил нарида.

*

Тайны мира, что я изложил в сокровенной тетради,
От людей утаил я своей безопасности ради.
Никому не могу рассказать, что скрываю в душе,
Слишком много невежд в этом злом человеческом стаде.



لڙ واقعو ئى ترا خبر خواهم ڪرد وان را بدو حرف نختم خواهم ڪرد
 با عشق تو در خاک فرو خواهم شد وز مهر تو سر ز خاک برخواهم ڪرد

*

Сенинг мафтунингман, берайин хабар,
 Уни икки сўз-ла этай муҳтасар:
 Ишқинг тупроқ қилгай, аммо меҳрингдан
 Бошимни кўтариб, бўлгум жилвагар.

*

Я пред тобою лишь не потаюсь,
 Своей великой тайной поделюсь.
 Любя тебя, я в прах могильный сойду.
 И для тебя из праха поднимусь!

پیری دیدم بخواب مستی خفته وز گردش خور خانه تن رفت
 می خورده و مست خفته و آشفته واللہ لطیف بعبادہ گفت

*

Бир кекса маст эрди, уйқуда эрди,
 Эс-хушин шипириб шамолга берди.
 Май ичиб, маст бўлиб, ухлаб гангираб.
 «Валлоҳу латифун биибодих» дерди.

*

Я пьяным встретил раз пред дверью кабака
 С моленным ковриком и кубком старика;
 Мой изумленный взор заметив, он воскликнул:
 «Смерть ждет нас впереди, давай же пить пока!»

چشم تو عالم ارچه می آرایند مگر ای بدان که عاقبت دران مگر آیند
 بسیار چو تو روند و بسیار آیند برای نصیب خویش کیت برمایند

*

Сенга кўрсатсалар ясоғлик олам,
 Сен севма, севмайди ақлли одам.
 Сендеклар бирталай келди-ю кетди,
 Сени олмай туриб, олиб қол сен ҳам.

*

Хоть этот мир лишь для тебя, ты мыслишь, сотворен,
 Не полагайся на него, будь сердцем умудрен.
 Ведь много до тебя людей пришло — ушло навек.
 Возьми свое, пока ты сам на казнь не уведен.

حون کار نه بر مراد ما خواهد رفت اندیشه و جسد ما کجا خواهد رفت

پیوسته نشسته ایم در حسرت آنک دیر آمده ایم و زود می باید رفت

*

Хаёт буйсунмагач бизнинг тилакка,
Хаёлу ғайратинг чиқар пучакка.
Эрта-кеч ҳасратин чекамиз пайваст
Кеч келдик, тез етди вақт ҳам кетмакка.

*

Когда свершается все не по нашим желаньям,
Что пользы всю жизнь предаваться напрасным
страданьям?
Мы вечно в печали сидим, размышляя о том,
Что поздний приход увенчается скорым прощаньем.

روزي است خوش و بهوانه گرم است و نه
 ابراز رخ گلزار همی شنوید کرد
 ببسل زبان حال خود با گل زرد
 فریاد همی کند که می باید خورد

*

На иссиқ, на совуқ, чиройли баҳор
 Булут гул юзидан ювади губор.
 Сарик гулга булбул юрак тилидан
 Фарёд қилиб дейди: «Май ичмоқ даркор!»

*

Не холоден, не жарок день чудесный.
 Цветы лугов обрызгал дождь небесный.
 И соловей поет — мы будем пить! —
 Склоняясь к розе смуглой и прелестной.

ناگرده گناه در جهان کیست بگو وانگس که کند سز و چون زیست بگو
 من بدکنم و تو بد مکافات دهی پس فرق میان من و تو چیست بگو

*

Ахир, бу оламда бегуноҳ ким бор?
 Нечук яшай олди, бўлмай гуноҳкор?
 Ёмонлик қайтарсанг ёмонлигимга
 Фарқимиз не бўлди, айт, парвардигор!

*

Скажи: кто не покрыл себя грехами,
 Ты, добрыми прославленный делами?
 Я зло творю, ты воздаешь мне злом,
 Скажи мне: в чем различье между нами?

سیر آدم ای خدای از بهتی خویش وز تنگدلی و از تمهیدستی خویش

از نیست تو هست میکنی بیرون آ زین نیستی ام بحرمت هستی خویش

*

Тўйдим қашшоқ, дилтанг ҳаётдан бутун,
Эй оллоҳ, кўрсатгил қудратинг бугун.
Йўқни бор қиласан, йўқликдан чиқар —
Мени ҳам, борлигим ҳурмати учун.

*

Пресытился я жизнью своей — исполненной суеты,
Пресытился бедами и нищетой! О господи, если ты
Вывел из небытия бытие, то выведи и меня —
Во имя твоего бытия — из горестной нищеты!

خالق تولى و مراچىن ساختى ستمى وترانه و لب ساختى

چون روز ازل مراچىن ساختى از بچه در دوزخم انداختى

*

Тангри, ўзинг шундай яратдинг мени,
Маю чолғувчига қаратдинг мени.
Азалда шу хилда яратиб қўйиб,
Нечун дўзахингга қулатдинг мени?!

*

Ты — творец, и таким, как я есть, я тобой сотворен.
Я в вино золотое и в струны, и в песни влюблен.
В дни творенья таким ты создать и задумал меня.
Так за что же теперь я в геенне гореть обречен?

بښه و مخور غږم جهان گذران بنشین و دی بشادمانی گذران
در طبع زمانه گر وفایی بودی هرگز بتو نوبت نشدی از دیگران

*

Бунчалик ғам ема, ўткинчи — жаҳон,
Бир дамлик умрингда бўл шоду хандон.
Бошқалар кетидан келмасди навбат,
Вафо нималигин билганда даврон.

*

Встань, не тужи! Что печалью о бренном томиться?
К нам приходи, чтоб за чашею повеселиться.
Если бы нравом судьба постоянна была,
То и тебе никогда не пришлось бы родиться.

دېقان قىزىسى چو ماگشت درو غم خوردن بيهوده نميدارد سود

پرکن قدح می به کفم در نه زود تاباز خورم که بود نهيحاهمه بود

*

Фойда йўқ, беҳуда чекмакликдан ғам,
Чарх минглаб биздекни экди, ўрди ҳам.
Қадаҳни тўлдириб қўлимга тут тез,
Бўлари бўлди деб, ичайин бирам.

*

Тщетно тужить — не найдешь бесполезней забот,
Сеял и жал поколенья до нас небосвод.
Кубок налей же скорей! Подай мне его!
Все, что случилось, давно решено наперед.

يارب تو كريمى و كريمى كرم است عاصى زچه روبرون زيان ازم است
 باطاعتى ارفعو كنى نيست كرم با عصيتى اكر بخشى كرم است

*

Ё раб, сен Каримсен, карими карам.
 Нечун осийларга берк боғи Эрам.
 Сиғинсам, кечирсанг — бу карам эмас,
 Гуноҳим кечирсанг — карамдур, карам.

*

О боже! Милосердьем ты велик!
 За что ж из рая изгнан бунтовщик?
 Нет милости прощать рабов покорных, —
 Прости меня, чей бунтом полон крик!

چون چرخ بکام یک خرومنگشت تو خواه فلک سفت شمر خواهی بشت

چون باید مُرد و آرزو تا هم بشت چه مورخورد بچرخ کرک بدشت

*

Бир доно коми-ла чарх айланмайдир,
Сонини саккиз де, етти барибир.
Улгач-ку қолмайди орзунг, танангни
Гўрда чумоли ер, ё қирда қашқир.

*

Считай хоть семь небес, хоть восемь над землей, —
Ведь не изменит их движенья разум твой.
Раз нужно умереть, не все ль равно: в гробнице
Съест муравей тебя иль волк в глуши степной.

ساقی دل من زمرود فرسوده تراست گوزیر زمین ز من دل آسوده تراست

هر چند بخون دیده دامن شو یم دامان ترم ز دیده آلوده تراست

*

Соқи, дилим хароб ўлик жондан ҳам,
Ўлик ер остида ётар хотиржам.
Қон ёшим этакни шундай юварки,
Этагим кўзимдан ифлосроқ ва нам.

*

Виночерпий! Что делать мне с сердцем моим?
Мертвым лучше в могиле, спокойнее им.
Сколько раз я ни каялся, сколько ни плакал,—
Все грешу! Очевидно, я — неисправим.

خواہی کہ اس عمر محکم پای یکنچند بہ گیتی دل خستہ مہ پای

از خوردن می دمی تو فارغ متشین تالذت عمر را داماد مہ یا بے

*

Қилай десаңг умринг асосин маҳкам,
Ва кўнглинг дунёда бир бора ҳуррам.
Шароб сибқармоқдин бўшама ҳечам,
Топгайсан умрингдан лаззат дамо-дам.

*

Если хочешь, чтоб крепкой была бытия основа
И хотя бы два дня провести без унынья злого,
Никогда не чуждайся веселья и пей всегда,
Чтоб успеть все улады испытать из фиала земного.

سستی مکن و فریضه را بگذار وین لقمه که داری ز کسان باز مدار
 و رخون کس مال کسی قصه مکن در غصه آن جهان منم باده بیار

*

Kўp сусткашлик қилмай ўтказ намозинг,
 Барча билан баҳам кўр кўпу озинг.
 Қасд қилма бировнинг молу жонига,
 У дунё, мен кафил, бер маю созинг.

*

Будь решительным! От обрядов пустых отказаться пора
 давно,
 Не скупись, делись и с другими тем, что тебе судьбою
 дано.
 В этом мире не покушайся на жизнь и достаток бедных
 людей.
 Головой отвечаю — ты будешь в раю. Так проворней
 неси вино!

شب نیست که عقل در تحیر نشود وز گریه کنار من پراز در نشود
 پری نشود کاسه سر از سودا هر کاسه که سرنگون شود پری نشود

*

Ақл лол бұлмаган тун йўқ, ажабо,
 Ингидан этакка дур тўлмас, аммо,
 Тўлдиролмас бошим косасин савдо,
 Тўнкарилган коса тўлмайди асло.

*

Деяньями этого мира разум мой сокрушен.
 Мой плащ на груди разодран, ручьями слез орошен.
 Фиал головы поникшей познания вином не наполнить —
 Нельзя ведь сосуд наполнить, когда опрокинут он.

ٻاڻ توهه آڻي ڪوئي اڙڪين ڪوئي
 پيوستہ را ملحد و بي دين ڪوئي
 من معترفم بذاپنجہ گو نے ليکن
 انصاف بدہ ترا رسد اين ڪوئي

*

Менга нима десанг адовату кин.
 Менга доим дейсан: «Имонсиз, бедин».
 Мен бунга икрормен, лекин ҳаммаси
 Ўзингга тегади, яхши ўйлагин.

*

Внимаю я твоим укорам, как слову злобного навета, —
 Безбожником меня зовешь ты, гулякой, поношением
 света.
 Я признаю: ты прав, я грешен, но на себя взгляни сначала.
 Скажи по правде: ты мне разве достоин говорить все это?

ابرآمد و باز بر سر سبزہ کریت بی بادہ گلزنک نمی باید زیت
 این سبزہ کہ امر و تماشا گاہ است تا سبزہ خاک ماتماشا کہ کیست

*

Сабагага ёш тўкди булут келибоқ,
 Жуда ҳайф қирмизи майсиз яшамоқ.
 Бизларга сайр жойи ҳозир бу ўтлоқ,
 Қимга сайргоҳ бўлур бизларнинг тупроқ.

*

Вновь из тучи над лугом слезы молча текут.
 Без вина в этом мире мудрецы не живут.
 Стебли тонких травинок мы видим сейчас,
 Кто ж увидит травинки, что из нас прорастут?

از بودنی ای دوست چه داری تیار وز فکر ت سیهوده دل و جان فکار
خرم بزی و جبهان بشادی گذران تپیرنه باتو کرده اند اول کار

*

Тирикликдан нима ғаминг бор, э ёр,
Беҳуда фикрдан дил-жонда озор,
Қувноқ яшагилу умринг шод ўтказ,
Тақдир қўлингдамас, нима чоранг бор?!

*

Что будущею занят ты судьбой,
Терзаешься бессмысленной борьбой?
Живи беспечно, весело. Вначале
Не посоветовались ведь с тобой.

گر بر فلکم دست بُدی چون یزدان برداشتمی من این فلک را از میان
از نو فلکی دگر چنان ساختی کا زاده بکام دل رسیدی آسان

*

Фалакка ҳукм этар тангридай бўлсам,
Фалакни қилардим ўртадан барҳам.
Янгидан шундай бир фалак тузардим,
Яхшилар тилакка етарди ул дам.

*

Когда б я был творцом — владыкой мироздания,
Я небо древнее низверг бы с основанья
И создал новое — такое, под которым
Вмиг исполнились бы все добрые желанья.

ای پیرسده دمندیکه تر بر خیزه وان کودک خاک بیز را بگزینیز
پندش ده و گو که نرم نرمک می بیز مغز سر کیقباد و چشم پرویز

*

Э донишманд кекса, тургил эртароқ,
Тупроқ элаётган болага бир боқ,—
Ва унга дегилки: «Эла секинроқ,
Кай боши, Парвизнинг кўзи бу тупроқ».

*

О мудрый, утром раньше встань, когда кругом прохлада,
О погляди, как мальчик пыль взметает за оградой.
Ты добрый дай ему совет: «Потише! Не пыли!
Ведь эта пыль — Парвиза прах и сердце Кей-Кубада».

میلم به شراب ناب باشد دایم گوشم به نی و رباب باشد دایم
 گر خاک مرا کوزه گران کوزه کنند آن کوزه پراز شراب باشد دایم

*

Истагим майи ноб бўлгани-бўлган,
 Тинглаганим рубоб бўлгани-бўлган.
 Менинг тупроғимдан кўза қилсалар,
 У ҳам тўла шароб бўлгани-бўлган.

*

Жаждой вина огневого душа моя вечно полна.
 Слуху потребны напевы флейт и рубаб струна.
 Пусть после смерти кувшином я стану на круге
 гончарном, —
 Лишь бы кувшин этот полон был чистым рубином вина,

چون نیست در این زمانه سودی ز خرد جز بخیسرد از زمانه بر می نخورد

پیش آرازانده خسروم را ببرد باشد که زمانه سوی ما به بگردد

*

Бу замон ақлдан фойда йўқ зинҳор,
Ақлсиз кишига жаҳон унумдор.
Ақлимни олғувчи нарсани келтир,
Шунда зора замон менга бўлгай ёр.

*

Уж если в наше время разум и бесполезен, и вредит,
И все дары судьба невежде и неразумному дарит,
Дай чашу мне, что похищает мой разум: пусть я
поглую —
И на меня судьба, быть может, взор благосклонный
обратит.

گل گفت کہ من یوسف مصر ہستم یاقوت گرانمایہ پر زر ہستم
 گفتہ چو تو یوسفی نشانی بنامے گفتا کہ بخون غرق مگر یہ ہستم

*

Гул дер: Мен Юсуфман Миср — чаманда,
 Ёқутдан қимматроқ зар тўла ханда.
 Дедим: Юсуф бўлсанг, кўрсат нишона,
 Деди: Боқ, қонлидир кўйлагим танда.

*

Сказала роза: «Я Юсуф египетский среди лугов,
 Как драгоценный лал в венце из золота и жемчугов».
 Сказал я: «Если ты — Юсуф, примета где?» А роза мне:
 «Взгляни на кровь моих одежд и все ты сам поймешь
 без слов».

ما نيم وى وى مطرب و اين كنج خراب جان و دل و جام و جامه پردردشرا
 فارغ ز اميد رحمت و هم عذاب آزاد ز خاك و باد و از آتش و آب

*

Ҳаробада мену май, маъшуқ учов
 Усти-бош, жону дил шаробга гаров.
 Лутф умиди, азоб ваҳми писандмас,
 Бизга бедахл шамол, тупроқ, сув, олов.

*

Я с вином и возлюбленной позабыл и нужду и труды,
 Я не жду милосердия, до судилища нет мне нужды.
 Отдал душу и сердце и одежду в залог за вино, —
 Я свободен от воздуха, от земли, и огня, и воды.

موجود ہر آنچہ ہست نقشست خیال عارف نبود ہر کہ نداند این حال
 بنشین قدحی بادہ بنوش و خوش باش فارغ شو ازین نقش خیالات محال

*

Дунёда бор нарса, бари нақш, хаёл,
 Орифмас, кимгаки маълуммас бу ҳол.
 Бир коса май ичиб ҳушинг йиғиб ол,
 Бу нақшу хаёлдан фориғ бўл дарҳол!

*

Все, что есть, — только вымысел, сном улетает,
 И не избранный тот, кто о том не узнает.
 Сядь, испей эту чашу и развеселись!
 Пусть тебя сожаленье потом не терзает.

نقشی است که بر وجود ما ریخت
صد بو العجبی ما بر این ریخت
من زان به ازین نمیتوانم بودن
کز بوی مرا بدین صفت ریخت

*

Вужудимизгаки не нақш солибсан,
Юзлаб ажойибот биздан олибсан.
Мен бўла олмайман бундан яхшироқ,
Ясашда сен ўзинг шундоқ қилибсан.

*

Жизнь, как роспись стенная, тобой создана,
Но картина нелепостей странных полна.
Не могу я быть лучше! Ты сам в своем тигле
Сплав мой создал; тобою мне форма дана.

دانی که سپیده دم غروب عری
 هر لحظه چرا همی کند نوحه گری
 یعنی که نمودند در آینه صبح
 که عمر شبی گذشت و تو بخیبری

*

Нечун, биласанми, хўроз ҳар саҳар
 Туриб, мотамзада оҳ-нола қилар.
 У бизга дейдики: «Тонг ойнасида
 Умрингдан тун ўтди, сенчи беҳабар!»

*

Ты склонен давать объяснения различным приметам, —
 О чем так тревожно петух голосит пред рассветом?
 Он в зеркале утра увидел: еще одна ночь
 Ушла невозвратно. А ты и не ведал об этом?

با این دوسه نادان که چنان میدانند از جهل که دانای جهان ایشانند
 خراباش که انسان زخری چندانند هرگونه خرسست کافرش میخوانند

*

Ўзни доно билган у уч-тўрт нодон
 Эшак табиатин қилур намоён.
 Булар суҳбатида сен ҳам эшак бўл,
 Бўлмаса «кофир» деб қилишар эълон.

*

Те трое — в глупости своей неимоверной —
 Себя светилами познания чтут, наверно.
 Ты с ними будь ослом. Для этих трех ослов
 Кто вовсе не осел — тот, стало быть, неверный.

این کوزه چون عاشق زاری بوده
در بند سر زلف نگاری بوده است

این دست که در گردن او می بینی دستیت که برگردن یاری بوده است

Бу кўза мен каби ошиқ зор эди,
Севгани қаро соч бир нигор эди.
Кўза бўйнидаги даста бир маҳал —
Қўл эди, ёр қучиб бахтиёр эди.

Кувшин мой был прежде влюбленным, все муки мои он познал.
Кудрей завитками плененный, как я, от любви изнывал.
А ручка на шее кувшина, наверно, когда-то была
Рукою, которою шею возлюбленной он обнимал.

میلیم همه باروی چو گل پیوند
دستم همه با ساروغو مل پیوند

لزم خیزدوی نصیب خود پروارم
زان پیش که جزو نا بگل پیوند

*

Таъбим — юзи гулга пайванд бўлади,
Қўлим — жоми мулга пайванд бўлади.
Ҳар жузвдан олайн насибам, чунки —
Жузвлар бари кулга пайванд бўлади.

*

Я к ланитам, подобным розе весной, тянусь,
Я к кувшину с вином и к чаше рукой тянусь.
Прежде чем рассыплется в прах мой живой сосуд,
Долю взять я от радости каждой земной тянусь.

Хайям алрозияде مستى خوشباش بامهرى اگر مستى خوشباش
 چون عاقبت کار جهان نیستی است انکار که نیستی چو هستی خوشباش

*

Хайём, ичкиликдан кайф қилиб, шод бўл,
 Бир дам гўзал билан ўлтириб, шод бўл.
 Жаҳонда ҳар ишнинг поёни йўқлик,
 Йўқлигу бирликини бир билиб, шод бўл.

*

Хайям, если ты вином опьянен, — благодарствуй судьбе,
 Если с возлюбленной уединен, — благодарствуй судьбе,
 Конец, истребленье — явлений всех завершенье,
 Пока ты смертью не истреблен, — благодарствуй судьбе.



تأبوانی غم جهان پیچ سنج بر دل مننه از آمده و نمانده رنج
خوش منخور و میباش در این دیر پیچ با خود نبردی جوی اگر داری گنج

*

Жаҳонда ғам ема қўлингдан келса,
Яхшимас бор-йўқдан дил дардга тўлса,
Беш кунлик дунёда шодлик-ла еб-ич,
Бир дон элтолмассан хазинанг бўлса.

*

Коль можешь, не тужи о времени бегущем,
Не отягчай души ни прошлым, ни грядущим.
Сокровища свои потрать, пока ты жив;
Ведь все равно в тот мир предстанешь неимущим.

انگر و شش روز گاه چندی بر گیر بر تخت طرب نشین و ست اغر بر گیر

از طاعت و معصیت جدا می شوی باری تو مراد خود ز عالم بر گیر

*

Олам гардишидан, ўз баҳрангн ол,
Шодлик тахтига мин, қўлда май ҳалол.
Бўйсунсанг-сунмасанг, худо зор эмас,
Оламда бахтингни ўринлатиб қол.

*

Ты бери свою долю из круговорота времен,
Восседай на престоле веселья, вином опьянен.
Нет заботы аллаху — покорны мы иль непокорны,
Здесь возьми свое счастье, бог — смертных извечный закон.

در خواب بُبیم مرا خردمندی گفت که خواب کسی را گل شاد و شگفت

کاری چکن که با اجل باو بدخفت می خور که بزیر خاک می پدید خفت

✽

Бир кунн тушимда қари билимдон,
Деди: уйқу билан бахт кулмас, нодон.
Эрта кун ажалга бўламиз қўшоқ,
Ичиб қол, тунроқда ухларсан ўбдон.

✽

Во сне сказал мне пир: «Покинь свою кровать,
Ведь розу радости нельзя во сне сорвать.
Ты, леженок, все спишь, а сон подобен смерти.
Встань! Ведь потом века тебе придется спать!»

تاکی غم آن خوری که داری یانی وین عمر بخوشدلی گذاری یانی
 پرکن قدح باده که معلومت شیت کاین دم که فروبری برآری یانی

*

Токай бору йўқнинг ғамини ейман,
 Токай умрим яхши ё ёмон дейман.
 Қадаҳ бер, маълуммас олган нафасим,
 Қайғиб чиқараман ё чиқармайман.

*

Долго ли мне тужить о том, что давно решено,
 И хорошо ли прожить мне век судьбою дано?
 Выдохну я этот вдох или нет — и сам я не знаю,
 Ну, так скорей в эту чашу чистое лей мне вино!

یار بگشتی بر من از رزق دری بی منت این خسان رسان ماحری

از باوه چنان مست گند وار مرا کز یخبر نیباشدم در دوسری

*

Эй оллоҳ, оч менга ризиқнинг эшигин,
Махлуқ миннатисиз ризқимни бергин.
Соф бодадан мени шундоқ маст қилки,
Хабарсиз ўтказай бошим оғригин.

*

Открой мне, боже, дверь твоих щедрот,
Дай хлеб и все, чем дольный прах живет.
И до беспамятства мне дай упиться,
Чтоб никаких не ведал я забот.

هه‌شهر جا که گلی ولاله زاری بوده است از سرخی خون شهر یاری بوده است

هه‌شهر جا که نهفته از زمین میروید خالی است که بر رخ نگاری بوده است

✱

Қайдаки гулзордир, шан лолазордир,
У ерда шаҳриёр — шох қони бордир.
Қайдаки бинафша унади ердан,
Бир гўзал холи эди, энди ғубордир.

✱

Где б ни адел тюльпан и роза ни цвела,
Там прежде кровь царей земля в себя впила.
И где бы на земле ни выросла фиалка,
Знай — родинкой, она красавицы была.

زانکه طوع و مبسح ازرق باشد باید که بگفت می مروق باشد

مشهورین است که حق تلخ بود باید که بدین دلیل می حق باشد

Эрта тонг нуруни сочганда офтоб,
Кўлинигда тўла жом бўлмоғи савоб,
Ҳақиқат аччиқдир, деган ган бор-ку,
Шу далил билан ҳақ экан майи ноб.

Чуть утром голубым блеснет просвет окна,
Кристалльный мой фиал налейте дополна.
Ведь люди говорят, что истина горька,
Не скрыта ль «Истина» и в горечи вина?

در دل نتوان درخت اندویشاند همواره کتاب خرمی باید خواند

می باید غم و کام دل بیداراند پیداست که چند در جهان خواهی تا

π

Хуррамлик китобин ўқимоқ керак,
Дилда ғам кўкати ўсмасин андак.
Май ичиб, истагинг ўринлат доим,
Маълумки, тез келур ўлимдан дарак.

*

Зачем растить побег тоски и сожаленья?
Читай и изучай лишь книгу наслажденья.
Ты пей и все свои желанья исполняй!
Ты знаешь сам давно, что жизнь — одно мгновенье.

بش داک روزگار شور انگیز است ایمن منشین که تیغ دوران تیز است

ارکام تو که زمانه لوزین نه زحما فرومب که زیر آمیز است

*

Хушёр бўл, ёғдирар бало бу жаҳон,
Хотиржам ўтирма, наштар бу даврон.
Оғзингга ширинлик солганида ҳам
Зинҳор юта кўрма, оғуси пинҳон.

*

Не будь беспечен на распутьях дней
И знай: судьба — разбойника страшней.
Судьба тебя халвою угощает, —
Не ешь: смертельный яд в халве у ней!

چون حاصل آولی درین دیرودور جز خون دل و داو ک جان نیست که

خسرم دل اندکینفس زنده نبود واسوده کسیکه خود نژاد از مادر

Кўш эшик дунёда қўним йўқ андак,
Мева йўқ, қон бўлиб ўлишдан бўлак.
Шодмондир бир нафас яшамаганлар
Онадан тугмаган роҳатда бешак.

В обители о двух дверях, чем, смертный, ты обогащен?
Ты, сердце в муках истерзав, на расставанье обречен.
Поистине блажен лишь тот, кто в этот мир не приходил.
Блажен, кто матерью земной для жизни вовсе не рожден.

يارب بدل اسير من رحمت كن بر سينه غم پذير من رحمت كن
بر پاي خرابات رو من بخشاي بر دست پياله گير من رحمت كن

Е раб, асир дилимга раҳмат бағишла,
Сийнам — ғам соҳилимга раҳмат бағишла,
Майхонага югурган оёғим кечир,
Қадаҳгир қўлимга раҳмат бағишла.

Смилуйся, боже, над сердцем моим, плененным земной
суетой!
Смилуйся и над моею рукой, что тянется за пиалой!
Ноги прости мои! Это они в майхану уносят меня!
Смилуйся и над моею рукой, что тянется за пиалой!

مشتو سخن از زمانه ساز آمدگان می خواه مروق به طراز آمدگان

رفتنندگان یگان فراز آمدگان کس می ندید نشان باز آمدگان

*

Замонасозларнинг сўзларидан кеч,
Гўзаллар қўлидан шароб сўраб ич.
Дунёга келганлар бир-бир кетдилар,
Қайтганларин ҳеч ким кўрсатолмас ҳеч.

*

Ты, мудрец, не слушай людей, что покорствовать небу
велят.
Утешайся чистым вином, пусть красавицы радуют
взгляд!
Приходившие в этот мир все ушли — один за другим.
И никто не видел нигде возвратившегося назад.

هسته دره که بر روی زمینی بوده است خوشیدرخی زهسته چینی بوده است

گردد از رخ نازنین بآزرمشان کان هم رخ وزلف نازنینی بوده است

Бу ернинг юзида ҳар зарраки бор,
Бир замон бўлмишди ой юзли дилдор.
Нозанинлар юзин гардин аста арт,
Гўзал чехра эди бир вақт бу ғубор.

Здесь каждая пылинка праха, что к ночи на землю
легла,

Была частицей тела пери, сияньем юного чела.
Пыль вытирая, осторожно касайся розовых ланит.
Ведь эта пыль благоуханным, быть может, локоном
была.

این کوزه که آبخواره مزدور است از دیده شاهی دول دستور است

هر کاسه می که در کف محمور است از عارض مستی و لب دستور است

*

Бу кузаданки сув ичар мардикор,
Бунда шохнинг кузи, саркор дияи бор.
Маст рухсори, мастон лаъли лабидан
Булган майи хунам сипқарар хумор.

*

Кузина, в который наливают вино для грузчиков
поденных,
Гончар дения из плоти шахов, когда-то временем
сраженных,
И эта глиняная чаша, что ходит по рукам гуляк,
Воинкля из даян румянык и уст красавиц погребенных.

تاراه قلندری نیونی نشود خست ره بخون دل نشونی نشود

سوداچه پزی که تا چو دلسوختگان آزاد بترک خودنگونی نشود

Каландар йўлидан юрмасанг булмас,
Кониинг-ла юз ювиб турмасанг булмас.
Бу куруқ савдонй пиширолмассан,
Узликдан кечиб, оҳ урмасанг булмас.

Пока в дорогу странствий не сберешься, — не выйдет
ничего,
Пока слезами мук не обольешься, — не выйдет ничего.
О чем скорбишь? Покамест, как влюбленный,
Ты от себя совсем не отречешься, — не выйдет ничего!

در دسره آواز گل تازه دهند فسه های بتا که می باندازه دهند

از حور و قصور و بهشت و دوزخ فارغ بنشین که آن سر آوازه دهند

*

Овоза тарқалса: чиқди янги гул,
Ой юзли гўзалим, шароб келтиргил.
Уйлама дўзаху, жаннату ҳурни —
Ҳаммаси овоза, яйраб ўлтиргил.

*

Чуть алою розою ранняя вспыхнет весна,
Вели, мой кумир, чтобы в меру нам дали вина.
О гуриях и о чертогах, о рае и аде
Не думай, все — сказка, все — выдумка только одна.

هه راز که اندر دل دانا باشد باید که نهفت ترز عیناً باشد

گاندر صدق از نهفتگی گردد آن قطره که راز دل دریا باشد

*

Хар сирни дилида сақласа доно,
У яширин бўлсин мисоли анқо,
Садафнинг ичида қатра дур бўлур —
Сир қилиб қалбида яшургач дарё.

*

Ведь каждая тайна у мудрого в сердце и взоре
Скрываться должна, как Симург среди Кафских
нагорий.
От капли, попавшейся в жемчужницу, жемчуг рождается,
Но это есть таинство сердца глубокого моря.

هنگر ز دل من ز علم محروم نشد کم ماند ز اسرار که معلوم نشد

هفتاد و دو سال فکر کردم شب و روز معلوم شد که هیچ معلوم نشد

✱

Дилим илмлардан маҳрум бўлмабди.
Бир сир қолмадики маъхум бўлмабди.
Туну кун ўйладим етмиш икки йил,
Онгладим — ҳеч нарса маълум бўлмабди.

✱

Не была познания жажда чуждой сердца моего,
Мало тайн осталось в мире, не доступных для него.
Семьдесят два долгих года размышлял я дни и ночи,
Лишь теперь уразумел я, что не знаю ничего.

بیم دانه امید به خرمین ماند هم باغ و سه ای بی تو دمن ماند

ایم وز خوشش از دری تابجوی بادوست بخور گزند به دشمن ماند

*

Умидлар донаси хирмонда қолур,
Боғу роғ на санда, на манда қолур.
Симу зар тўплама, дўстлар-ла еб-ич,
Бўямаса, ҳаммаси душманда қолур.

*

Ни зерна надежды ни гумие пустом.
Мы с тобой уйдем, покинем сад и дом,
Серебро, вино и хлеб истрать с друзьями,
Или все врагу достанется потом!

دشمن بغض گفت که من فلسفی ام ایزد داند که آنچه او گفت فی ام

لیکن چو دین غم آشیان آمدم آخر کم از آنکه من بدانم که کی ام

*

Мени файласуф деб, ёв қилур хато,
 Мен ундай эмасман, билади худо,
 Шу қайғу уйига келгач, ўзимни —
 Ким билсам, ўшандан камроқман ҳатто.

*

Мой враг меня философом нарек, —
 Клевещет этот злобный человек!
 Будь я философ, в эту область горя
 На муки не пришел бы я вовек!

يکروز ز بند عالم آزاد نیستم یکدمزدن از وجود خود شاد نیستم
شاگردی روزگار کردم بیدار در کار جهان هنوز استاد نیستم

*

Олам тузоғидан озод эмасмиз,
Бир нафас олмоқдан ҳеч шод эмасмиз,
Ҳаётга кўп шогирд бўлдигу ҳануз —
Дунёнинг ишига устод эмасмиз.

*

Нет облегченья от оков мирских,
Безрадостна пустыня дней моих,
Я долго у судьбы людской учился,
Но ловкачом не стал в делах земных.

خوشید گل نهفت می توانم واسترار زمانه گفت می توانم
از بخت فکر بدر آورده شد وری که بیم سفت می توانم

Этак бирла кунни тўса олмайман,
Қисмат сирларини еча олмайман.
Фикр денгизидан дур тонди ақл,
Қўрқувдан бу дурни теша олмайман.

Солнце розами я заслонить не могу,
Тайну судеб словами раскрыть не могу.
Из глубин размышлений я выловил жемчуг,
Но от страха его просверлить не могу.

ماييم که اصل شادی و کان غميم
 سرمايه واديم و اتحاد شميم
 چستيم و بلنديم و کماليم و کريم
 اينده زينت خورده و جام جميم

*

Хуррамлик асоеи, қони алам биз,
 Ситам асли, ади моаеи ҳам биз.
 Пастмизу баданмиз, сукмиз, қам биз,
 Заиф боеган оила ҳам Жоми Жам биз.

+

Мы — основа веселья, мы — бедствия рудные горы.
 Мы — насилия корень, мы правды воздвигли опоры.
 Низки мы и высоки, как ржавое зеркало, тусклы,
 И, как чаша Джамшида, блистаем и радуем взоры.

من می نه ز بهر گندستی نخورم یا از غم رسوائی وستی نخورم
 من می ز برای خوشدلی میخورم اکنون که تو بردلم نشستی نخورم

*

Уйлама, пулсизу ночор ичмайман,
 Расволикдан қилиб ё ор, ичмайман.
 Мен майни дилхушлик учун ичардим,
 Бу кун-чи, қалбимда сен бор, ичмайман.

*

Я не от бедности решил вино забыть,
 Не в страхе, что начнут гулякою бранить.
 Я для веселья пил. Ну, а теперь — другое:
 Ты — в сердце у меня, и мне не нужно пить.

بىر يەك چىدى يەكى بىر آيدە كە منىم بىنەمت و بىسىم و نىرايدە كە منىم
 چۈن كاكە او نىظام گىيە رۆزى نەكە اجىل از كىين در آيدە كە منىم

*

Бирор киши чиқиб ҳар замон, мана Мен, дейди.
 Могу симу зари бор чунон, мана Мен, дейди.
 Иши ривож топиб турганда, бир куни ажал —
 Пистирмадан чиқиб ногаҳон, мана Мен, дейди.

*

Порой кто-нибудь идет напролом и нагло кричит: —
 Это я!
 Богатством кичится, звенит серебром и златом
 блестит: — Это я!
 Но только делишки настроит на лад — и знатен,
 глядишь, и богат,
 Как из засады подыметсЯ смерть и говорит: — Это я!

قسم که درین منزل بیدار بدن در دست نخواهد بود از یاد بدن

آزاد باید برگ من شود بدن که دست اجل تواند آزاد بدن

*

Мен кетдим, чунки бу жаҳони бедод,
Бунда яшамокнинг охири барбод.
Ким қочиб қутула ажал дастидан,
Майли, ўша бўлсин ўлимидан шод.

*

Я из пределов лжи решил сокрыться.
Здесь жить — лишь сердцем попусту томиться.
Пусть нашей смерти радуется тот,
Кто сам от смерти может защититься.

از کوزه گری کوزه کشیدیم باری آن کوزه سخن گفت زیر آسدرای

شاهی بودم که جام زرینم بود اکنون شده ام کوزه هر خمارای

**

Кўзагардан кўза олгандим бир кун;
Бир сўз деб чиқарди кўза сирли ун:
Шоҳ эдим, кўлимда олтин жом эди;
Хумор бошли кўза бўлибман бугун.

**

Я для вина кувшин себе у гончара достал;
Пил из него. И вот кувшин мне тайну прошептал:
«Я шахом был, вино я пил из чаши золотой,
Теперь у пьяницы в руках кувшином винным стал!»

گر کار فلک بدل سنجیدہ بی احوال فلک حمد پسندیدہ بی
 و عدل بی بکار نادگر دون کی خاطر اہل فضل رنجیدہ بی

*

Тўғрилиқ бўлсайди фалакнинг иши,
 Ёқтирган бўларди уни ҳар киши.
 Дунёнинг ишида бўлса адолат,
 Бўлмасди донолар кўнглин оғриши.

*

Когда б небеса справедливо вершили дела,
 Велениям неба не молкла бы в мире хвала,
 Когда б от судьбы справедливость и милость явилась,
 Ничья бы душа и в обиде тогда не была.

ایدل تو بایستار معما نرسی در نکتہ زیر کان دانما نرسی
 اینجا پی عقل بهشتی میبازد کاینجا که بهشت است ری پانرسی

*

Э дил, бу жумбоқни ҳал этолмассан,
 Донолар сўзини сен айтолмассан.
 Май ичиб, шу ерда жаннат пайдо қил,
 Жаннатга етарсан ё етолмассан.

*

Загадок вечных бытия едва ль откроешь ты ответ.
 Теченья мысли мудрецов ты не постигнешь за сто лет.
 Вставай и на лугу с вином свой рай отрадный создавай!
 Кто знает: попадешь в эдем ты после смерти или нет?

بخسيز تا بيار مجر دل ، حل کنی بجمال خویشتر شکل ،

یک کوزه شراب تا بهم نوش کنیم زان پیش که کوزه ما کنند از گل

*

Тур, гўзал, очилсин баҳри-дилимиз,
Жамолинг ҳал қилсин ҳар мушкулимиз.
Тупроғимиз кўза бўлмасдан бурун,
Бир кўза ичайлик, жўйсин кўнглимиз.

*

О кумир в сиянье красоты живом,
Встань, подай скорее нам кувшин с вином.
В светлом опьяненье разрешим сомненья,
Прежде чем мы на кувшин пойдём.

گرچه غم و رنج من و دلازی دارد عیش و طرب تو و فرازی دارد

هر چه در دلم تنگ که دوران فلک پرده همه از لونه بازی دارد

✱

Менинг қайғуларим узундан-узок,
Сенning қувончларинг чексиздир, бироқ.
Унга ҳам, бунга ҳам суяйма, чунки
Ҳаммани бу фалак қилар ўйинчоқ.

✱

Изнемогаю я, плачу, не осушая глаз,
А ты в наслажденьях тонешь, ты радостен в этот час.
Но ты не кичись предо мной! — Вращение небосвода
Таит нежданного много за темной завесой от нас.

از رنج کشیدن آدمی خسته گردد قطره چو شکر جگر صدف در گردد

گر مال نماند سربازان و بجای پیمان چو شکر تھنسی و گریز گردد

*

Қийинчилик чекиб, одам ҳур бўлур,
Садафда қамалиб, қатра дур бўлур,
Мол кетса, бош қолур унинг ўрнида,
Қадаҳ бўшатиlsa, қайтадан тўлур.

*

Душой, перенесшей страданья, свобода обретена.
Пусть капля томится в темнице — становится перлом она.
Не плачь: если ты разорился, богатство еще
возвратится,
Пускай опорожнена чаша — опять она будет полна.



از جرم گل سیاه تا اوج زحل کردم همه مشکلات گلی را حل
 بگشادم بندهای مشکل بحیل هر بندگشاده شد بحر بندها حل

*

Қаро ер қаъридан то авжи Зуҳал —
 Қоинот сирларин барин қилдим ҳал.
 Кўп мушкул тугунни ечдим, онгладим,
 Ечилмай қолгани — биргина ажал.

*

От бездны мрачного Надира до кульминации Кейвана
 Я разрешил загадки мира, трудясь над ними неустанно,
 Труднейшие узлы вселенной распутал я проникновенно,
 И лишь узла простого — смерти — не развязал я, — вот
 что странно.

بحر خفلك بچكسى چىرەش وز خوردن آدمى زمين سىرەش
مغروب دانی که نخوردست ترا تعجیل مکن هم بخورد ویرەش

*

Фалакнинг устидан ким топди зафар,
Ер қачон одам еб тўйибди, магар —
Мени емади, деб кеккая кўрма,
Шошмай тур, кўп ўтмай навбатинг етар.

*

Никто не победил грозящей силы неба
И не насытился навек дарами хлеба.
Кичишься рано ты, что цел и невредим, —
Еще съедят тебя, когда придет потреба.

دین عالم پرقتنه و پر شوز بسین

ای دیده اگر کورنی کور بسین

رومای چومه در دایک مور بسین

اشامان و سران و سروران بگلند

*

Эй кўз, кўр бўлмасанг гўрдан бўл огоҳ,
Фитна тўла олам, ҳар ён қайғу — оҳ.
Чумоли оғзида ойдек ёноқлар,
Ер қўйнида султон, сардор, подшоҳ.

*

Око, если ты не слепо, видишь ряд надгробий старинных!
Этот мир, соблазна полный, топит все в смятенных
пучинах.
Полководцы падишахи в землю темную погрузились.
Видишь эти луны-лики на жадных челюстях муравьиных!

تاپچى كنى خدمت دوتان و خان جان برسير طيز منده چون مكن
 مانى بدو روز خور مكش منت كس خون دل خود خوي به از مان كس

Токай пастлар хизматин этасан бажо,
 Хар емишга пашшадек қилма жон фидо.
 Бир нонни икки кун е, тортма ҳеч миннат,
 Узга нонидан ўз дил, қонинг кўп авло.

До коих пор тебе пред низким склоняться головой?
 Зачем ты кружишься, как муха, над пищей даровой?
 Ешь за два дня одну лепешку, добытую трудом!
 Питаться кровью сердца лучше, чем хлеб вкушать
 чужой.

قانع بیک استخوان چو کرس بودن به زانکه طفیل خوان ناکس بودن
 بانان جوین خویش هتاکه به است کالوده بیالوده هر خس بودن

*

Бир сўнгатка сордек қаноат қилғон
 Афзалдур нокасга бўлгандан меҳмон.
 Нокасинг шинилик нонидан яхши
 Ўзинг топиб еган бурда арпа нон.

*

Доволен ворон костью на обед,
 Ты ж — прихлебатель низких столько лет!..
 Воистину свой хлеб ячменный лучше,
 Чем на пиру презренного — шербет.

گر آمدنم بخود بدی نماندے در نیز شدن بمن بدی کی شدے

بہ زان بُدی کہ اندرین دیر خراب نہ آمدنی نہ شدنی نہ بدے

*

Келмоқ қўлда бўлса, келмасдим бир дам,
Кетмоқ қўлда бўлса, кетмас эдим ҳам.
Жуда соз бўларди бу ғамхонага
Келмасам, турмасам, келиб кетмасам.

*

Будь волен я — зачем мне приходить?
Будь волен я — зачем мне уходить?
Не лучше было бы в руины эти
Не приходить. — Не уходить, не жить.

در گوش دلم گفت فلک پنہانی حکمی که قضا بود ز من می‌دانی
 در گردش خویش اگر مراد است بُدی خود را بر مانند می ز سرگردانی

*

Фалак қулоғимга гапирди секин:
 Қазо ҳукмин мендан кўрасан, лекин —
 Айланишим бўлса эди қўлимда,
 Ўзимни тўхтатиб, олар эдим тин.

*

Шепнуло небо тайно мне в минуту вашего прозренья:
 «Веленья гневные судьбы, ты думаешь, мои веленья?
 Когда бы властно было я во всех деяньях бытия,
 Я прекратило бы давно свое бесцельное круженье».

چون بیل مست راه درستان فیت روی گل و جام باده را خندان فیت

آمد بزبان حال در گوشم گفت دریاب که عمر رفت را نتوان فیت

*

Маст булбул йўл олди гулистон томон,
Унда топди бода ҳам гули хандон.
Юрак тили билан шивирлаб айтди:
«Бўш қўйма, ўтган умр қайтмас ҳеч қачон!»

*

Снова в сад прилетел соловей, улетевший давно,
Видит розу в цвету и в смеющейся чаше — вино.
Прилетел и на тайном наречьи мне звонко прощелкал:
«Ты пойми: что ушло, никому воротить не дано».

فصل گل و طرف جو بار و لب کشت بایک دوسه اهل و بعثتی حور شرت

پیش آقده که باده نوشتان صبح آسوده ز مسجد و فارغ ز کشت

*

Гул фасли, сув бўйи, кўкаламда гар
Бўлса уч-тўрт улфат, ой юзли дилбар,
Қадахни сипқарғил, тонгда ичганлар —
Масжиду черковдан қутулгандирлар.

*

В дни цветенья розы над потоком, в просторах полей,
Средь смеющихся гурий вино свое в радости пей,
Принеси нам фиалы! Ведь пьющие утром вино
Не тоскуют о рае, не боятся и адских огней.

می نوش که عمر جاودانی اینست خود حاصلت از دور جوانی نیست
 هنگام گل و باره و یاران سرست خوش باش دی که زندگانی نیست

*

Май ич мангу ҳаёт, ҳайҳот, мана шу,
 Ёшликнинг даврони, эй зот, мана шу.
 Гул фаслида маю маст улфат билан
 Бир дам ўйна, асти ҳаёт мана шу!

*

Пей вино! В нем источник бессмертья и света.
 В нем цветенье весны и минувшее лето.
 Будь мгновенье счастлив средь цветов и друзей.
 Ибо жизнь заключалась в мгновение это.

آن قصر که بصرام درو جام گرفت آهوی که کرد و روبه آرام گرفت
 بهرام که گور می گرفتی بهر غم دیدی که چگونه گور بصرام گرفت

*

Бу саройда Баҳром ичар эди жом,
 Энди кийик, тулки олади ором.
 Бир умр қулонлар овлар эди у,
 Ўлимга қулондай овланди Баҳром.

*

В чертоге том, где пировал Бахрам,
 Теперь прибежище пустынным львам.
 Бахрам, ловивший каждый день онагров,
 Был, как онагр, пещерой пойман сам.

درکار که کوزه گرمی کردم رای درپایه چرخ دیدم استادپای
 میگرد و لیر کوزه را دسته و سر از کله پادشاه و از دست گدای

*

Кулол дўконига кирдим бир сафар,
 Дастгоҳда ишларди уста кўзагар,
 Гадо қўлидану шоҳнинг бошидан
 Кўзанинг бўйни-ю дастасин ясар.

✽

Я видел гончара в толпе людей.
 Вращая колесо ногой своей,
 Кувшины, чашки делал он проворно
 Из праха нищих, из голов царей.

بر من قلم قضای چو بی من رانند پس نیک و بدش چراز من میدانند
 دی بی من و امروز چو دی بی من تو فردا بی چو ختم بداور خوانند

*

Менсиз қалам сурмиш қазову қадар,
 Мендан нечун яхши-ёмоним сўрар?
 Кеча менсиз ўтди, ўтар бугун ҳам,
 Тонг-ла кун нима деб қилур жавобгар?!

*

Если никто, у нас не спросясь, наши судьбы
 предначертал,
 Что же зло свое и добро нам с тобою он приписал?
 Ведь вчерашний день был без нас, как и завтра будет
 без нас,
 На каких же счетах все зло он тебе и мне присчитал.

در دهر پراگده نیم نانی دارد یاد خور خویش آشیانی دارد
نه خادم کس نبود نه مخدوم کسی گوشت دِ بزی که خوش جهانی دارد

*

Кимнингки бор эса бир бурда нони,
Ўзига яраша уй-ошиёни,
На биров унга қул, на у бировга,
Айт, шод яшайверсин, хушдир замони.

*

Кто пол-лепешки в день себе найдет,
Кто угол для ночлега обретет.
Кто не имеет слуг и сам не служит —
Счастливец тот, он хорошо живет.

يکچند بکودکی پاستاوشدیم یکچند پاستادی خودشاوشدیم
 یایان سخن شنو که مارا چه رسید از خاک درآمدیم و بر باد شدیم

*

Ёшликда биз шогирд, ўзгалар устод,
 Сўнгра устод бўлиб, дилни эгдик шод.
 Охири қаерга етишдик десанг,
 Тупроқдан чиқибок, бўлибмиз барбод.

*

К устаду-старцу в детстве мы ходили
 И мудрости потом глупцов учили.
 Что с нами стало? — Вышли мы из праха.
 И тучей праха по ветру уплыли.

می خوردن و شاد بودن این من است فارغ بودن ز کفر و دین دین من است
گفتم به عروس ده کاسین تو چیست گفتا دل خرم تو کاسین من است

*

Май ичиб қувнамоқ оиним менинг,
Куфру дин билмаслик соф диним менинг,
Дунё келинидан қалинин сўрдим,
Деди: шод дилингдир қалиним менинг.

*

Пить пиво, пировать во все дни — моя правая вера.
Я не стану примером безбожника иль изувера.
Я спросил: «Мне какой тебе мерой отмерить калым?»
А она: «Твое сердце веселое — вот моя мера».

آمد سحرى ندا ز مېخانه ما
 کای رند خراباتی دیوانه ما
 برخیز که پر کنیم پیشمانه ز می
 زان پیش که یرکسند پیمان ما

*

Саҳар садо берди бизнинг майхона.
 Ки, о майхонамиз ринди — девона,
 Тургил, паймонани тўлдир шаробга,
 Ҳали тўлмай туриб бизнинг паймона.

*

По утрам я слышу крики из окрестных кабаков:
 «Эй несчастный ринд безумный, завсегдатай погребков!
 К нам иди! И пусть нам кравчий поживей наполнит чаши,
 Прежде чем вином наполнят чаши наших черепов».

چندان بخورم شراب کاین بوی شرا
آید ز تراب چون روم زیر تراب

تا بر سر قبر من رسد مخموری
از بوی تراب من شود دست و خراب

*

Шундоғам ичайки, ўлсам ул шароб —
Ҳиди мозоримдан чиқсин бурқираб.
Ҳумори ўтаркан қабрим бошидан
Иси элитсину айласин хароб.

*

Я так упьюсь, что всей хмельною силой
Дух винный встанет над моей могилой,
Чтоб опьянел бредущий мимо ринд,
Пропившийся, похмельный и унылый.

تختانه و كعبه خانه بندگی است ناقوس زدن ترانه بندگی است

محراب و کلیت و تسبیح و صلیب حاکم هم نشانه بندگی است

*

Қаъбаю бутхона қуллик хонаси,
Бутхона занги ҳам шум таронаси.
Меҳробу калисо, тасбеҳу салиб —
Барчаси қулликнинг бир нишонаси.

*

Кааба и кабак — оковы рабства.
Азон и звон церковный — зовы рабства.
Михраб, и храм, и четки, и кресты —
На всем на этом знак суровый рабства.

عُمرت تا کی بخود پرستی گذرد یاد پی نیستی و هستی گذرد
 می نوشتن چنین عمر که غم در پی است آن به که بخواب یا به مستی گذرد

Умринг қачонгача ўзим деб ўтар,
 Йўқлик — борлик аро кездим деб ўтар.
 Ичиб қол, ғам бўлгач умринг пайида,
 Уйқу ё мастликда бир зумдек ўтар.

*

Доколь, самовлюбленный ты глупец,
 Терзаться будешь мукой всех сердец?
 Жизнь проводи в блаженном опьяненье —
 Ведь неизбежен гибельный конец.

چون باده خوری ز عقل بیگانه مشو مدہوش مباش و جہل را خانہ مشو

خواہی کہ می لعل طالت باشد آزار کسی مجوی و دیوانہ مشو

*

Ичганда ақлдан бегона бўлма,
Эс жўйиб, жаҳлга сен хона бўлма.
Истасанг қизил май ҳалол бўлишин
Ҳеч кимни ранжитма, девона бўлма.

*

Ты пей, но крепко разума держись,
Вертепом варварства не становись.
Ты пей, но никого не обижай.
Ослаб — не пей, безумия страшись.

طبع نیم نماز و روزه چون مایل شد گفتم که نجات کلی ام حاصل شد
 افسوس که آن وضو بیاد بی شکست وان روزه به نیم جرعه می باطل شد

*

Кўнглим бўлгач намоз — рўзага мойил,
 Дедим: буткул мурод бўлғуси ҳосил.
 Бир ел билан, афсус, синди таҳорат,
 Рўзамни бир қултум май қилди ботил.

*

В дни поста — в Рамазане — вина пиалу я испил,
 Не сознательно я шарииата закон преступил.
 От мучений поста этот день показался мне ночью.
 Мне казалось, рассвет наступил — я и пост разрешил.

گاویست در آسمان و نامش پروین یک گاودگر سفید در زیر زمین
چشم خردت باز کن از روی نقین نیرو زبرد دو گاومشتی خربین

*

Осмонда бир хўкиз номимиш Парвин,
Бириси қуйида кўтарар замин.
Кўзингни катта оч, қўш хўкиз аро
Кўриб қўй қанчалаб эшак юрганин.

*

Корова в небе звездная — Парвин,
Другая — спит во тьме земных глубин,
А сколько здесь ослов меж двух коров —
Муж правды, это знаешь ты один.

چون عُمده نمیشود کسی فرودارا حالی خوش داراین دل پرسودارا

می نوشش بماهتاب ای ماه که ماه بسیار بتابند و نیاید مارا

*

Тонгла уҳдасидан чиқолмас киши,
Не ҳожат савдоли дилинг ташвиши!
Ойдинда май ичгин, эй ой, биздан сўнг
Ой бизни тополмас, кезиб ёз-қиши.

*

Небо, о друг, не продлит нам жизнь ни на час.
Радуйся ж! Не обливайся влагою глаз!
Пей вино с Луной при луне, ибо эта Луна
Завтра, быть может, взойдя, не увидит нас.

قرآن که همین کلام خوانند آنرا گاه نه بردوام خوانند آنرا

برگرد پیال آیتی هست مقیم کاندر همه جامد ام خوانند آنرا

*

Дунёда улуг сўз — қуръон ўқилур,
У ҳам мудом эмас, аҳён ўқилур.
Пиёла четида бир оят борки,
Ҳар жойда, ҳамиша, ҳамон ўқилур.

*

Коран, что истиной у анс считают,
В пределах христиан не почитают.
В узоре чаши виден мне аят,
Его наверняка везде читают!

کس غلڊو جڳيم رانديده ست ايدل کو کس که از آنجهان ريديه ست ايدل

اميد و هراس ما به چيزيت کزان کس نام و نشان نيز نديده ست ايدل

*

Дўзаху жаннатни ким кўрган, э дил,
У дунё хабарин ким берган, э дил.
Қўрқув, умидимиз шулардан, аммо —
Ному нишонасин ким билган, э дил.

*

Здесь мне — чаша вина и струна золотая,
В рай ты метишь, но это — приманка пустая.
Слов о рае и аде не слушай, мудрец!
Кто в аду побывал? Кто вернулся из рая?

تازه سره و در آسمان گشت پدید
 بهتر ز می ناب کسی هیچ ندید
 من در عجبم ز می فروشان کایشان
 به زانکه فروشنده خواهند خرید

*

Зухра, ой осмонга чиққан кезданок
 Майдан соз нарсани ким кўрган... бироқ —
 Ҳайронман майфуруш бодани сотиб,
 Пулга нима олур ундан яхшироқ.

*

С тех пор, как на небе зажглись Луна и светлая Зухра,
 Нам — смертным — высшее дано блаженство — пить
 вино с утра.
 Вино кабатчик продает, а сам, глупец, глотка не пьет,
 Источник счастья у него; какого ждать еще добра?

در مسجد اگرچه بانس از آمده ام حاکم از بهر کار آمده ام
 اینجا روزی سجاده فی وزویدیم آن کهنه شده ست باز آمده ام

*

Масжидга келгандим бир ниёз учун,
 Рост айтсам, ўйлама, ҳеч намоз учун.
 Жойнамоз ўғирлаб эдим, эскибди,
 Яна аста келдим жойнамоз учун.

*

Вхожу я под купол мечети суровой,
 Воистину — не для намаза святого.
 Здесь коврик украл я... Но он обветшал,
 И в доме молитвы явился я снова.

ای بس که نباشیم و جهان خواهد بود فی نام زمانه و فی شان خواهد بود

زین پیش نبودیم و نبود هیچ خلل زین پس چون باشیم جهان خواهد بود

*

Бизлар бўлмасак ҳам жаҳон бўлғуси,
Бизлардан на ному нишон бўлғуси.
Аввал-ку йўқ эдик, етмовди халал,
Яна бўлмасак ҳам, ҳамон бўлғуси.

*

О, долго в мире нас не будет, — а мир пребудет.
Умрем: века наш след остудят, — а мир пребудет.
Как не было нас до рождения, так без изъяна
Уйдем, и всяк про нас забудет... — А мир пребудет.

آن مایه که نوشی ز جهان پاشی معذوری اگر در طلب آن کوشی
باقی همه رایگان نیز دهنده تا عمر گرانمایه بدان نفروشی

*

Ғайратинг сарф этсанг киймоқ, ичмоққа,
Арзийди бу ишни маъзур тутмоққа.
Ҳушёр бўл, қолганин бари арзимас
Умрингни сарф этиб, ўтиб кетмоққа.

*

Ты можешь быть счастливым, можешь пить.
Но ты во всем усерден должен быть.
Будь мудрым, остальное все не стоит
Того, чтоб за него свой век сгубить.

افسوس که رفت عمر بر بیهوده هم لقمه حرام و هم نفس آلوده
فرموده ناکرده سیه رویم کرد فریاد ز کرده های نافرموده

*

Афсус, умр беҳуда бўлмишдир барбод,
Бўлмадик хиромдан бир нафас озод.
Буюрганинг қилмай юзим қародир,
Амрингдан ташқари ишларимдан дод!

*

Как жаль, что бесполезно жизнь прошла,
Погибла, будто выжжена дотла.
Как горько, что душа томилась праздно,
И от твоих волнений отошла.

يکت نام بدوروز اگر شود حاصل مرد وز کوزه شکسته آبی دمی آبی سرد
 مأمور کم از خودی چرا باید بود یا خدمت چون خودی چرا باید کرد

*

Бир нон топиб агар есанг икки кун,
 Синиқ кўзанг бўлса сув ичмак учун,
 Узингдан пастларга ёлланмоқ нега,
 Узингдек хизматин қилмоқлик нечун?!

*

Коль на день у тебя лепешка есть
 И в силах ты кувшин воды себе принести,
 Что за нужда тебе презренным подчиняться
 И низким угождать, свою теряя честь?

با بخش تو من از گدازندیشم باتوشه تو ز رنج ره نندیشم
 گر رحم تو ام سپید روی انگیزد من هیچ زمانه سپید نندیشم

Афвинг бор, гуноҳдан қўрқув билмайман,
 Ризқ бердинг, йўл ранжин кўзга илмайман.
 Раҳмингдан оқ юз-ла турсам маҳшарда,
 Номим қора дея ташвиш қилмайман.

Ты — благ, зачем же о грехах мне думать.
 Ты — щедр, о хлебе ль на путях мне думать?
 Коль, воскресив, ты обелишь меня,
 Зачем о черных письменах мне думать?

از خالق بخشنده و از رب رحیم نوید مشور جزم و حصیان عظیم

گرمست و خراب خفته باشی امروز فردا بخشد به استخوانهای ریم

*

Холиқ кечирувчи, раҳмли Раҳмон,
Исёну гуноҳдан бўлмагил гирён.
Бугун масту хароб уйқуга кирсанг,
Эрта афв этилур чирик устихон.

*

Занимай — великий грех не верит в милосердие творца.
Если ты, в грехах увязший, превратился в сквернеца,
Если ты в питейном доме спишь теперь смертельно
пьяный,
Он простит твой остов тленный после смертного конца.

شیخی بزک فاحشه گفتا مستی هر روز بدام دیگری پاستی
 گفتا شیخا هر آنچه کوئی هستم اما تو چنانکه می نمائی هستی؛

*

Шайх фоҳишага дер: «Нима бу ишинг,
 Маст бўлиб, қўлма-қўл қўниб юришинг?!»
 У дер: «Мен шундайман, аммо сен айт-чи,
 Сиртинг кўрсатгандай покми қилмишинг?!»

*

Блуднице шейх сказал: «Ты что ни день — пьяна,
 И что ни час, то в сеть другим завлечена!»
 Ему на то: «Ты прав, но ты-то сам таков ли,
 Каким всем кажешься?» — ответила она.

بشنوز من ای زبده یاران کهن اندیشه مکن زین فلک بی سرون
 برگوشه غرضه قناعت بخشین بازیچه دهر را تماشا میکن

*

Тингла, қадим дўстим, борсан ҳамиша,
 Вафосиз фалакдан қилма андиша.
 Қаноат кунжида ўтириб, фалак —
 Уйинин кўрмоқни айлагил пеша.

*

О избранный, к словам моим коснись.
 Непостоянства неба не страшись!
 Смиренно сядь в углу довольства малым,
 В игру судьбы вниманьем углубись!

این یکدوسه روز تویت عمر گذشت چون آب بجویدار و چون باد بدشت
 هرگز غم دور مرا یادگشت روزیکه نیامدست و روزیکه گذشت

*

Бир-икки кунлик умр ўтади дарҳол,
 Дарёда сув каби ё чўлда шамол.
 Кетган ва келмаган ҳар икки куннинг
 Ғамини эслатиб, кўп берма малол.

*

Вот снова день исчез, как ветра легкий стон,
 Из нашей жизни, друг, навеки выпал он.
 Но я, покуда жив, тревожиться не стану
 О дне, что отошел, и дне, что не рожден.

دی کوزه گری بدیدم اندر بازار برپاره گلی لگد همی ز دستیار
وان گل بزبان حال باو میگفت من همچو تو بوده ام مرا نیکودار

*

Бозорда бир кулол кўрсатиб ҳунар,
Бир бўлак хом лойни тешиб пишитар.
Лой инграб айтади: Ҳой, секинроқ теп,
Мен ҳам кулол эдим сендек, биродар.

*

Дивлюсь тебе, гончар, что ты имеешь дух
Мять глину, бить, давать ей сотни оплеух,
Ведь этот влажный прах трепещущий был плотью,
Покуда жизненный огонь в нем не потух.

هر روز بر آنم که کنم شب توبه از جام و پیاله لبالب توبه
 اکنون که رسید وقت گل توبه کجا در موسم گل ز توبه به یارب توبه

*

Кунларим ўтади, кечалаб, тавба,
 Қўлимда пиёла лаболаб, тавба.
 Букун гул фаслидир, тавба қаёқда,
 Гул фаслида тавбадан, ёраб, тавба.

*

Ах, сколько, сколько раз, вставая ото сна,
 Я обещал, что впредь не буду пить вина.
 Но нынче, господи, я не даю зарока:
 Могу ли я не пить, когда пришла весна?

دست چومنی که جام و ساغر گیرد حیف هست که او دفتر و منبر گیرد
توزا بدشکی و منم فاسق تر آتش نشنیده ام که در تر گیرد

*

Кўлимда ҳар маҳал қадаҳ тутганман,
Минбару дафтарнинг баҳрин ўтганман.
Мен-ку бир ҳўл фосиқ, сен қуруқ зоҳид,
Ҳўл — ёнмас, на кўриб, на эшитганман.

*

Моей руке держать кувшин вина — отрада,
Священных свитков ей касаться и не надо:
Я от вина промок; не мне, ханжа сухой,
Не мне, а вот тебе опасно пламя ада.

سازنده کار مرده و زنده تونی دارنده این چرخ پراکنده تونی

من گریه بدم خواجه این بند تونی کس را چه گنجه چو آفریننده تونی

*

Улик-тирик ишни тузаткувчисен,
Тарқоқ коинотни кузаткувчисен.
Ёмон бўлсам ҳамки, сенинг бандангмен,
Мен нима ҳам қилай? Яраткувчи — Сен.

*

У мертвых и живых один владыка — ты;
Кто небо завертел над нами дико? Ты.
Я тварь греховная, а ты создатель мира;
Из нас виновен кто? Сам рассуди-ка ты!

ترکیب بیالہ کہ در قسم پیوست بشکستن آن روانمیدارد دست
چندین سرو پای نازنین از سر دست از مهر که پیوست و یکین که شست

*

Маст кўлига тушса пиёла, асло
Уни синдирмоқни кўрмайди раво.
Шунча нозанинлар кўл, бош чаноғин
Ким синдиради, ким берган оро!

*

Ужели бы гончар им сделанный сосуд
Мог в раздражении разбить, презрев свой труд?
А сколько стройных ног, голов и рук прекрасных,
Любовно сделанных, в сердцах разбито тут!

اكنون كه گل سعادت پربار است دست تو ز جام می چریکار است
 می خور که زمانه دشمنی غدار است دریا فن روز چنین دشوار است

*

Бу кун бахтинг боғи гулга тўкиндир,
 Қўлинг нечун майсиз, юрагинг тиндир.
 Май ичгил, замона алдамчи бир ёв,
 Бундай кунни топмоқ жуда қийиндир.

*

С друзьями радуйся, пока ты юн, весне:
 В кувшине ничего не оставляй на дне!
 Ведь был же этот мир водой когда-то залит,
 Так почему бы нам не утонуть в вине?

چند آنکه نگاه میکنم هر سویی در باغ روان است ز کوثر جویی
 صحرای پوشت است ز کوثر گرمی نشین بخت با بختی روی

*

У ён-бу ёнимга ташлайман назар.
 Боғларда шилдираб оққан сув — кавсар.
 Кавсардан сўз очма, далалар жаннат,
 Шу жаннатда ўтир, ёнингда дилбар.

*

Везде зеленый рай, куда ни кинешь взгляд:
 Кавсер течет, в эдем вдруг превратился ад.
 На райскую траву сядь с гуриеподобной
 И торопись вкусить от неземных усад.

ایزد چو گل وجود ما میآراست دانست ز فعل ما چه بر خواهد خاست
بی حکمت نیست هر گناهی که مرآت پس سوختن روز قیامت ز بجاست

*

Азалда лойимни қорганда худо.
Биларди феълимдан не бўлур пайдо.
Хукмидан ташқари эмас гуноҳим,
Хўш, нечун маҳшарда беради жазо?

*

Когда ты для меня слепил из глины плоть,
Ты знал, что мне страстей своих не побороть;
Не ты ль тому виной, что жизнь моя греховна?
Скажи, за что же мне гореть в аду, господь?

من بنده عاصی ام رضای تو کی است تاریک دلم نور و صفای تو کی است

برین تو بهشت اگر بطاعت بخشی این مزد بود لطف و عطای تو کی است

*

Мен осий бандангман, ризойинг қани,
Дилим қоп-қоронғи, зиёйинг қани?
Итоатим учун жаннатни берсанг,
Бу менинг ҳаққим-ку, атойинг қани?!

*

Ты к людям милосерд? Да нет же, непохоже!
Изгнал ты грешника из рая отчего же?
Заслуга велика ль послушного простить?
Прости ослушника, о милосердный боже!

از فکتر خیام بخوان از جملگان دریاب در آن نقش و نگار دوران
 و در محک عقل بسنج این حصه نقش خود ساز جد نقش خوش از ناخوش آن

شاه اسلام شاه محرف

*

Т у з у в ч и д а н

Хайёмдан ўқигил жаҳон баҳсини,
 Ундан топажаксан замон нақшини.
 Ақлинг элагидан ўтказиб бир-бир,
 Ўзинг ажратиб ол ёмон-яхшини.

О т с о с т а в и т е л я

Когда Хайяма станешь изучать,
 Ты там найдешь иных времен печать.
 Сквозь сито разума ты мудрость ту просей —
 Добро и зло сумеешь различать.

С(Тадж.)
У 47

ОМАР ХАЙЯМ

Рубайят

На персидском, узбекском и русском языках

Гузувчи Ш. Шомухамедов
Составитель Ш. Шамухамедов

Редакторлар Миртемир, Л. Щербакова
Хаттот Ж. Эфтихор
Рассомлар Умарбеков
ва Э. Исҳоқов
Расмлар редактори Г. Фролов
Техн. редактор Э. Саидов
Корректорлар Ш. Зухриддинов
А. Слученкова

Босмахонага берилди 22/VII-1969 й. Босишга рухсат этилди
1/XII-1969 й. Формати 70x108¹/₃₂ Босма л. 9,5. Шартли босма
л. 11,12. Нашр. л. 6,72+0,37 (8 вкл.) Тиражи 100 000
Ғафур Ғулом номидаги бадиий адабиёт нашриёти. Тошкент.
Навоий кўчаси, 30. Шартнома № 176-68

Ўзбекистон ССР Министрлар Совети Матбуот Давлат ко-
митетининг полиграфкомбинатида № 2 қўғозга босилди.
Тошкент, Навоий кўчаси, 30. 1970 йил, Заказ № 1392.
Баҳоси 5-муқовада 33 т, 7-муқовада 40 т.

УМАР ХАЙЕМ.

«Рубоийлар». Т., Ғафур Ғулом номидаги бадиий адабиёт
нашриёти. 1970

304 бет. Текст паралл. форс, узб. рус. тилларида.
Тиражи 100 000.

ОМАР ХАЙЯМ. Робайят.

С(Тадж.)

Индекс 7-4-3